



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 185।

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 21, 2013/श्रावण 30, 1935

No. 185।

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 21, 2013/ SRAVANA 30, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 2013

विषय : चीन जनगण, और स्विट्जरलैंड के मूल के या वहां से निर्यातित विटामिन—ए पामीटेट के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा—अंतिम जांच परिणाम ।

फा. सं. 15/07/2011—डीजीएडी.वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य और स्विट्जरलैंड (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित विटामिन—ए पामीटेट (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में 23 मार्च, 2006 की अधिसूचना सं. 14/11/2005—डीजीएडी के तहत पाटनरोधी जांच शुरू की थी । प्राधिकारी ने 20 फरवरी, 2007 की अधिसूचना सं. 14/11/2005—डीजीएडी के तहत संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम शुल्क की सिफारिश करते हुए प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किए थे और राजस्व विभाग ने 28 मार्च, 2007 की अधिसूचना सं. 47/2007—सी.शु. के तहत अनंतिम शुल्क लगाया था । प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक शुल्क की सिफारिश करते हुए 14 सितंबर, 2007 को अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे और राजस्व विभाग ने 30 अक्टूबर, 2007 की अधिसूचना सं. 112/2007 के तहत निश्चयात्मक शुल्क लगाया था । निश्चयात्मक शुल्क 28.3.2007 से अर्थात् अनंतिम शुल्क लगाए जाने की तारीख से लागू किया गया था ।

क पृष्ठभूमि

2. यतः समय—समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय—समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य और स्विट्जरलैंड (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित विटामिन—ए पामीटेट (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में 23 मार्च, 2006 की अधिसूचना सं. 14/11/2005—डीजीएडी के तहत पाटनरोधी जांच शुरू की थी । प्राधिकारी ने 20 फरवरी, 2007 की अधिसूचना सं. 14/11/2005—डीजीएडी के तहत संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम शुल्क की सिफारिश करते हुए प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किए थे और राजस्व विभाग ने 28 मार्च, 2007 की अधिसूचना सं. 47/2007—सी.शु. के तहत अनंतिम शुल्क लगाया था । प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक शुल्क की सिफारिश करते हुए 14 सितंबर, 2007 को अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे और राजस्व विभाग ने 30 अक्टूबर, 2007 की अधिसूचना सं. 112/2007 के तहत निश्चयात्मक शुल्क लगाया था । निश्चयात्मक शुल्क 28.3.2007 से अर्थात् अनंतिम शुल्क लगाए जाने की तारीख से लागू किया गया था ।

3. मै. डी एस एम न्यूट्रीशन प्रोडक्ट लि., जिसका पंजीकृत कार्यालय स्विटजरलैंड में है, ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1995 की धारा 9 (ग) के अंतर्गत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सेस्टेट), नई दिल्ली के समक्ष एक अपील दायर की। माननीय सेस्टेट, नई दिल्ली ने 11.8.2011 के अपने आदेश द्वारा याचिका का निपटान किया। उक्त आदेश का व्यावहारिक भाग अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार है :—

“15. तदनुसार हम आवेदकों को निर्णयोपरांत सुनवाई का अवसर देने और अंतिम जांच परिणाम में ऐसे उपांतरण करने जिन्हें ऐसे निर्णयोपरांत सुनवाई के परिणामस्वरूप आवश्यक समझा जाए, करने के लिए ये अपीलें निर्दिष्ट प्राधिकारी को वापस भेजने की अनुमति देते हैं। प्रतिवादी घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, यदि कोई हो, को भी ऐसे निर्णयोपरांत सुनवाई में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। अंतिम जांच परिणाम में किए गए किसी उपांतरण पर पाटनरोधी शुल्क लगाने वाली आक्षेपित अधिसूचना में आवश्यक संशोधन कर सरकार द्वारा उन्हें प्रभावी बनाते हुए विचार किया जाएगा। यह प्रक्रिया इस आदेश की तारीख से 6 माह के भीतर पूरी की जाएगी और इस बीच यथास्थिति बनाए रखी जाएगी। चूंकि हम इन अपीलों की अनुमति वापस भेजकर प्रदान कर रहे हैं, इसलिए संबंधित स्थगन याचिकाएं, एम ए तथा सी ओ को निपटाया गया माना जाएगा।”

4. सेस्टेट के उक्त आदेशों के अनुपालन में और माननीय सेस्टेट के 11 अगस्त, 2011 के उक्त आदेशों को कानून तथा सिद्धांत के मामलों में चुनौती देने हेतु निर्दिष्ट प्राधिकारी के अधिकारों के प्रति पूर्णग्रह के बिना, प्राधिकारी ने 13 दिसंबर, 2011 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के लिए निर्णयोपरांत भौतिक सुनवाई आयोजित की। प्राधिकारी ने 10 फरवरी, 2012 के तहत सेस्टेट मामला वापसी निर्णयोपरांत सुनवाई संबंधी जांच परिणाम जारी कर शुल्क की सिफारिश की पुष्टि की।

5. प्राधिकारी को संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णयक समीक्षा करने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध करते हुए मै. पिरामल हेत्य केयर लि. (“आवेदक/याचिकाकर्ता”), जो संबद्ध वस्तु की उत्पादक है, से एक विधिवत पुष्टिकृत आवेदन प्राप्त हुआ।

6. इस बात से संतुष्ट होने के उपरांत कि आवेदक ने समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए पर्याप्त सकारात्मक सूचना प्रदान की है, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ परित अधिनियम की धारा 9 क(5) के अनुसार 23 मार्च, 2012 की अधिसूचना सं. 15/7/2011-डीजीएडी के तहत संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णयक समीक्षा जांच शुरू की। निर्दिष्ट प्राधिकारी के एक अनुरोध के बाद केन्द्र सरकार ने संबद्ध जांच पूरी करने और अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित करने के लिए 21 अगस्त, 2013 तक समय विस्तार की अनुमति प्रदान की।

सामान्य प्रक्रिया

7. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

i. प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार संबद्ध देशों में ज्ञात उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर संगत सूचना प्रदान करने और लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।

ii. प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों और/अथवा उपभोक्ताओं को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर संगत सूचना प्रदान करने और लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी।

iii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार, आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों तथा दूतावास को उपलब्ध कराई। अगोपनीय आवेदन की प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी।

iv. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों सहित संबद्ध देशों के दूतावासों को संगत सूचना मांगने के लिए एक प्रश्नावली भेजी। तथापि, स्विटजरलैंड के केवल एक उत्पादक और निर्यातक तथा सिंगापुर में उसकी सहायक कंपनी ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।

1. डी एस एम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स, स्विटजरलैंड (डी एन पी)

2. डी एस एम सिंगापुर इंडस्ट्रियल पी टी ई लि. (डी एस आई), सिंगापुर जो डी एस एम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स एशिया पेसिफिक (डी एन पी ए पी) के रूप में व्यापार कर रही है।

v. नियम 6(4) के अनुसार, आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने के लिए ज्ञात आयातकों अथवा प्रयोक्ता को प्रश्नावली भेजी गई थी। प्राधिकारी ने पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में जांच से संगत मानी गई सूचना प्रस्तुत करने के लिए विचाराधीन उत्पाद के औद्योगिक प्रयोक्ताओं को अवसर प्रदान किया। तथापि, केवल एक आयातक अर्थात् मै. के. सेवंतीलाल एंड कंपनी ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है। सार्वजनिक सुनवाई के बाद एक अन्य आयातक मै. साफ्ट सूल प्रा. लि., मुंबई से एक पत्र प्राप्त हुआ है। इस आयातक ने आयातक प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। तथापि, प्राधिकारी ने मै. साफ्ट सूल प्रा. लि., मुंबई के तर्क पर इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया है।

vi. प्राधिकारी ने मौखिक रूप से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर प्रदान करने हेतु 27 नवंबर, 2012 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की, जिसमें संबद्ध देश के प्रतिवादी उत्पादक और नियांतक घरेलू उद्योग के प्रतिवादी आयातक और उसका प्रतिनिधित्व करने वाला याचिकार्ता उपस्थित हुए थे । सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित होने वाले पक्षकारों को मौखिक रूप से प्रस्तुत सूचना के लिखित अनुरोध दायर करने की सलाह दी गई थी । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त इन लिखित अनुरोधों पर विचार किया है ।

vii. जांच की कार्रवाई के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्कों और प्रदान की गई सूचना/साक्ष्य पर प्राधिकारी ने इस अंतिम जांच परिणाम में उस सीमा तक समुचित विचार किया है, जिस सीमा तक वे साक्ष्य से समर्थित हैं और जिहे वर्तमान जांच के लिए संगत माना गया है ।

viii. प्राधिकारी ने जांच के दौरान स्वयं को प्रदान की गई सूचना की तथ्यात्मकता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया जिस पर ये जांच परिणाम आधारित हैं । इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने संगत और आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग का मौके पर सत्यापन किया । घरेलू उद्योग से क्षति के बारे में अतिरिक्त/पूरक ब्यारे मांगे गए थे, जो प्राप्त भी हो गए थे ।

ix. उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा ।

x. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण प्राधिकारी द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के जरिए उपलब्ध कराया जिससे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ।

xi. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III और आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की ईस्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत निकालने के लिए लागत जांच की गई थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

xii. *** यह चिन्ह किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमों के अंतर्गत गुणावर्णन आधार पर उसे गोपनीय ही माना है ।

xiii. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 जनवरी, 2011 से 31 दिसंबर, 2011 (12 माह) का है । तथापि, क्षति विश्लेषण में वर्ष 2008-09, 2009-10, 2010-11 और जांच अवधि शामिल हैं । पाटन और क्षति की सम्भावना का निर्धारण करने के लिए जांच अवधि से आगे के आंकड़ों की भी जांच की गई है ।

xiv. वर्तमान जांच के दौरान जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है, अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज किए हैं ।

xv. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के उपरान्त प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हुआ है, गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं ।

विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

8. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद स्विटजरलैंड और चीन जन.गण. (जिन्हें वर्तमान जांच में संबद्ध देश कहा गया है) के मूल का या वहां से निर्यातित विटामिन ए पामीटेट है जिसमें उसकी सभी क्षमताओं और रूपों में विटामिन ए पामीटेट 1.7 एम आई यू/ग्राम तथा विटामिन ए पामीटेट 1.0 एमआईयू/ग्राम शामिल हैं (जिसे वर्तमान जांच में संबद्ध वस्तु कहा गया है) ।

घरेलू उद्योग के विचार

9. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:-

- i. घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोधों में यह निवेदन किया है कि "विटामिन ए पामीटेट" विभिन्न क्षमताओं अर्थात् विटामिन ५ पामीटेट 1.7 और विटामिन ए पामीटेट 1.0 में उपलब्ध है । चूंकि विभिन्न क्षमताओं के विटामिन ए पामीटेट का समान अंतिम उपयोग है, इसलिए वर्तमान जांच में समस्त क्षमताओं और रूपों में संबद्ध वस्तु शामिल रहनी चाहिए क्योंकि प्रयोक्ता उद्योग द्वारा इन ग्रेडों का अदल-बदल कर उपयोग किया जा सकता है । यह तर्क दिया गया है कि कम कीमत पर उच्च क्षमता की उपलब्धता से कम क्षमता की प्रति इकाई कीमत में आनुपातिक कमी आ जाती है और इस प्रकार प्रयोक्ता अपनी लागत कम करने के लिए उच्च क्षमता की खरीद करने को तरजीह देते हैं । अतः प्राधिकारी को विभिन्न क्षमताओं के विटामिन ए पामीटेट अर्थात् विटामिन ए पामीटेट 1.7 और विटामिन ए पामीटेट 1.0 पर पाटनरोधी शुल्क लगाना जारी रखना चाहिए ।

- ii. इस प्राधिकारी द्वारा इस मुददे का निपटान और पुष्टि स्विटजरलैंड और चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु को शामिल करते हुए मूल जांच के अंतिम जांच परिणामों और उसके बाद 10 फरवरी, 2012 के सेरेट के मामला वापसी निर्णयोपरात जांच परिणाम में की जा चुकी है ।
- iii. वर्तमान जांच स्विटजरलैंड और चीन.जन.गण. के उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में विटामिन ए पामीटेट के पाटन के विरुद्ध लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने, उसमें वृद्धि करने और उसे जारी रखने के बारे में है ।
- iv. एक समीक्षा जांच होने के कारण विचाराधीन उत्पाद वही माना जाना चाहिए जैसा कि मूल जांच में रहा है ।
- v. डी एस एम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स ("डीएनपी") का यह दावा कि विटामिन ए पामीटेट और विटामिन ए एसीटेट समान वस्तुएँ हैं, जूठा है और इनका उपयोग अदल-बदल कर नहीं किया जा सकता । संबद्ध वस्तु का विनिर्माण करने के लिए विटामिन ए एसीटेट 2.8 एम आई यू एक कच्ची सामग्री है और यह "समान वस्तु" नहीं है । संबद्ध वस्तु और विटामिन ए एसीटेट के तकनीकी और भौतिक गुणधर्म विशिष्ट और भिन्न हैं और इसका उपयोग विटामिन ए एसीटेट के स्थान पर नहीं किया जा सकता जैसाकि निर्यातक ने दावा किया है । इसके अलावा, संबद्ध वस्तु के विनिर्माण में विटामिन ए एसीटेट क्रिस्टलों पर की जाने वाली कई प्रकार की प्रक्रियाओं के साथ एक जटिल रासायनिक अभिक्रिया शामिल होती है जिसमें कच्ची सामग्री अर्थात् विटामिन ए एसीटेट में पर्याप्त मूल्यवर्धन होता है तथा श्रम एवं प्रौद्योगिकी को लगाया जाता है ।
- vi. जब किसी मध्यवर्ती निविष्टि को एक रासायनिक प्रक्रिया के जरिए अंतिम उत्पाद में परिवर्तन किया जाता है तो परिवर्तन की प्रक्रिया विनिर्माण नहीं होती है और दोनों समान वस्तुएँ नहीं होती हैं । इसके अलावा, उत्पादन पद्धति/प्रौद्योगिकी/प्रक्रिया में परिवर्तन होने से कोई घरेलू उत्पादक जहां तक वह संबद्ध वस्तु का उत्पादन और आपूर्ति करता है, घरेलू उद्योग के दर्जे का अपात्र नहीं बनता है ।
- vii. ऐसा कोई उत्पाद जो संबद्ध वस्तु के विनिर्माण में अंतिम चरण पर प्राप्त होता है, उसे 'समान वस्तु' नहीं माना जा सकता और उसके आयात से उत्पादक "घरेलू उद्योग" के रूप में परिभाषित किए जाने का अपात्र नहीं बनता है ।
- viii. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद विटामिन ए पामीटेट है । संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे विचाराधीन उत्पाद के संबंध में नामावली, फार्मूला, विवरण, ग्रेड, उपयोग, पैकिंग, परिवहन, वर्गीकरण, हैंडलिंग आदि सहित उत्पाद के सपूर्ण विवरण की जांच निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा मूल जांच में की जा चुकी है और संगत सूचना निर्दिष्ट प्राधिकारी के रिकॉर्ड में है ।
- ix. विटामिन ए पामीटेट हल्के पीले से लेकर हल्के संतरी अथवा रक्ताभ तैलीय द्रव होता है, जिसे 20 सी से कम पर क्रिस्टलाइज किया जा सकता है । इसमें विटामिन ए पामीटेट और विटामिन ए एसीटेट का मिश्रण होता है, जिसमें 90 प्रतिशत से अनधिक विटामिन ए पामीटेट और 10 प्रतिशत से अनधिक विटामिन ए एसीटेट होता है । विटामिन ए एसीटेट की मौजूदगी विनिर्माण की रासायनिक प्रक्रिया के कारण होती है । इसमें बी एच ए, बी एच टी जैसे एंटीऑक्सीडेंट अथवा स्थिरीकरण हेतु सर्वर्धित पदार्थ जैसे टोकोफेरोल शामिल होते हैं विटामिन ए पामीटेट का उत्पादन विभिन्न सांदर्भों/क्षमताओं, प्राथमिक रूप से 1.7 एमआईयू/ग्राम और 1.0 एम आई यू/ग्राम में किया जा सकता है, जिनका उपयोग भेजीय, शृंगार प्रसाधन और खाद्य पूरक अनुप्रयोगों में किया जाता है ।
- x. स्विटजरलैंड और चीन जन.गण. से निर्यातित संबद्ध वस्तु और याचिकार्ता कंपनी द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु स्विटजरलैंड और चीन जन.गण. से उत्पादित वस्तु के समान वस्तु हैं । दोनों उत्पादों में भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिदेशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण आदि जैसे मापदंडों के संबंध में तुलनीय विशेषताएँ हैं ।
- xi. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तु है ।
- xii. प्रकटन विवरण के पश्चात घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु और घरेलू उद्योग के मुददे पर अपने अनुरोधों को दोहराया है । यह अनुरोध किया गया है कि डी एन पी का यह दावा कि विटामिन ए पामीटेट 1.7 एम आई यू और विटामिन ए एसीटेट "समान वस्तु" हैं और इनका उपयोग अदल-बदल कर किया जा सकता है, जूठा और गलत है और इसे सिरे से खारिज किया जाए । यह दोहराया गया है कि विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण में कच्ची सामग्री अर्थात् विटामिन ए एसीटेट क्रिस्टलों में अत्यधिक मूल्यवर्धन शामिल होता है । यह अनुरोध किया गया है कि विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण हेतु विटामिन ए एसीटेट क्रिस्टलों पर कई प्रकार की प्रक्रियाओं के साथ एक जटिल रासायनिक अभिक्रिया होती है जिसमें अत्यधिक मूल्यवर्धन तथा श्रम तथा प्रौद्योगिकी का नियोजन शामिल होता है ।

निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

10. स्विटजरलैंड के निर्यातक डी एन पी ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :—

- i. यांचिकाकर्ता भारत में न्यूनतम प्रचालन करता है, जिसके परिणामस्वरूप वस्तु में कोई खास रूपांतरण नहीं होता है, जैसा कि टैरिफ शीर्ष में परिवर्तन से पता चलता है ।
- ii. विटामिन ए पामीटेट और विटामिन ए एसीटेट, दोनों सुमेलीकृत प्रणाली नामावली के शीर्ष 29362100 के अंतर्गत आते हैं । एक व्युत्पत्ति से दूसरी में परिवर्तन होने से कोई वस्तु किसी नए शीर्ष में नहीं चली जाती है और न ही उसमें पर्याप्त रूपांतरण होता है ।
- iii. विटामिन ए एसीटेट और पामीटेट उसी सक्रिय संघटक, रेटीनोल के मात्र संरक्षित और स्थिरीकृत रूप हैं । दोनों रूपों को आगे और संघटकों की जरूरत के बिना प्राकृतिक रूप से एंजाइमों को उत्पन्न कर मानव शरीर में रेटीनोल में आसानी से परिवर्तित किया जाता है और इनमें व्यावहारिक रूप से समान जैव उपलब्धता, जैव क्षमता और लाभकारी प्रभाव होते हैं ।
- iv. रेटीनोल को संरक्षित और स्थिर करने के लिए केवल अलग-अलग एसिड संघटकों के उपयोग से दोनों रेटीनोल ईस्टर उत्पन्न होते हैं ।
- v. प्रकटन विवरण के पश्चात निर्यातक ने विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु और घरेलू उद्योग के दर्जे के मुददे पर अपने अनुरोधों को दोहराया है ।

11. विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु और वर्तमान जांच के दायरे के बारे में किसी अन्य आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक अथवा अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई टिप्पणी नहीं की है अथवा अनुरोध नहीं किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

12. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद स्विटजरलैंड और चीन जन.गण. के मूल का अथवा वहां से निर्यातित विटामिन ए पामीटेट है, जिसमें उसकी सभी क्षमताओं और रूपों में विटामिन ए पामीटेट 1.7 एमआईयू/ग्राम तथा विटामिन ए पामीटेट 1.0 एमआईयू/ग्राम शामिल हैं । जैसा कि पूर्ववर्ती जांच में नोट किया गया है, विटामिन ए पामीटेट 1.0 एमआईयू/ग्राम तथा विटामिन ए पामीटेट 1.7 एमआईयू/ग्राम उत्पाद के उप प्रकार हैं, जिनका उपयोग समान है, अंतर मात्र सांदर्भ में है । अतः विटामिन ए पामीटेट 1.7 एमआईयू/ग्राम पर शुल्क लगाए जाने से समान अंतिम उपयोग रखने वाले विटामिन ए पामीटेट 1.0 एमआईयू/ग्राम के आयात के जरिए शुल्क का अपवर्जन हो सकता है । यद्यपि विटामिन ए पामीटेट 1.6 एमआईयू/ग्राम का पश्च आहार हेतु सर्वथा अलग अंतिम उपयोग होता है और इसलिए यह विचाराधीन उत्पाद के दायरे में नहीं आता है । विचाराधीन उत्पाद वहीं है, जैसा कि मूल जांच में माना गया है ।

13. यह उत्पाद उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम और आई टी सी एच एस वर्गीकरण की प्रथम अनुसूची के अध्याय 29 में शीर्ष संख्या 293621.00 के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

14. यह नोट किया जाता है कि मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे के बारे में निम्नानुसार निष्कर्ष निकाला गया था ।

15. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि विचाराधीन उत्पाद को विटामिन ए पामीटेट के रूप में सही ढंग से परिभाषित किया गया है, जिसमें 1.7 एम आई यू तथा 1.0 एम आई यू दोनों शामिल होंगे । तथापि, विचाराधीन उत्पाद में 1.6 एमआईयू शामिल नहीं होगा क्योंकि यह स्पष्ट किया गया है कि यह अलग उत्पाद है जिसका अलग अंतिम उपयोग है । तदनुसार विचाराधीन उत्पाद को विटामिन ए पामीटेट के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें उसकी समस्त क्षमताओं और रूपों में विटामिन ए पामीटेट 1.7 एमआईयू/ग्राम और विटामिन ए पामीटेट 1.0 एमआईयू/ग्राम शामिल हैं (जिसे आगे "संबद्ध वस्तु" कहा गया है) ।

15. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने *** से थाणे, महाराष्ट्र में अपने पूर्ववर्ती संयंत्र में प्रचालन बंद कर दिए थे और अपने प्रचालन यहां से हटाकर दूसरे संयंत्र में ले गए थे जो डिग्बाल, आंध्र प्रदेश में स्थित है । नए संयंत्र से विचाराधीन उत्पाद का वाणिज्यिक उत्पादन *** से पुनः शुरू हुआ है ।

16. यह स्मरणीय है कि 10 फरवरी, 2012 के सेस्टेट मामला वापसी निर्णयोपरांत जांच परिणाम में अंतिम जांच परिणाम में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह माना था कि :-

"iii. एक ओर विपक्षी हितबद्ध पक्षकार यह तुक्के देते हैं कि विटामिन ए पामीटेट और विटामिन ए एसीटेट समान वस्तुएं हैं । और इसी के साथ यह आरोप लगाते हैं कि निकोलस पिरामल घरेलू उद्योग नहीं है क्योंकि वह इस समय विटामिन ए एसीटेट को विटामिन ए पामीटेट में परिवर्तित करने का कार्य कर रहा है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब किसी मध्यवर्ती निविष्टि को रासायनिक प्रक्रिया के जरिए अंतिम उत्पाद में परिवर्तित किया जाता है, तो परिवर्तन की प्रक्रिया को विनिर्माण नहीं माना जाता है और ये दोनों समान वस्तुएं नहीं हो सकती हैं । इसके अलावा, उत्पाद पद्धति, प्रौद्योगिकी प्रक्रिया में परिवर्तन से घरेलू उत्पादक घरेलू उद्योग के दर्जे का अपात्र नहीं बन जाता है जब तक कि वह संबद्ध वस्तु के उत्पादन और आपूर्ति का कार्य कर रहा हो ।"

17. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु का विनिर्माण करने के लिए विटामिन ए एसीटेट 2.8 एम आई यू एक कच्ची सामग्री है और यह “समान वस्तु” नहीं है । संबद्ध वस्तु और विटामिन ए एसीटेट के तकनीकी और भौतिक गुणधर्म विशिष्ट और भिन्न हैं और इसका उपयोग विटामिन ए एसीटेट के स्थान पर नहीं किया जा सकता जैसाकि निर्यातक ने दावा किया है । इसके अलावा, संबद्ध वस्तु के विनिर्माण में विटामिन ए एसीटेट क्रिस्टलों पर की जाने वाली कई प्रकार की प्रक्रियाओं के साथ एक जटिल रासायनिक अभिक्रिया शामिल होती है जिसमें कच्ची सामग्री अर्थात् विटामिन ए एसीटेट में पर्याप्त मूल्यवर्धन होता है ।

18. रिकॉर्ड के साक्ष्य और पूर्ववर्ती जांच परिणामों के दायरे को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के दायरे को पूर्ण में रखे गए दायरे के समान रखना उचित समझते हैं । अतः प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद को विटामिन ए पामीटेट के रूप में परिभाषित किया है जिसमें उसकी सभी क्षमताओं और रूपों में विटामिन ए पामीटेट 1.7 एमआईयू/ग्राम तथा विटामिन ए पामीटेट 1.0 एमआईयू/ग्राम शामिल है ।

19. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु को संबद्ध देशों में उत्पादित और/अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु माना जा सकता है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा मूल जांच परिणाम में इस मुददे की जांच की गई है । जांच के आधार पर प्राधिकारी पुनः यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामग्री पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित वस्तु के समान वस्तु है ।

घरेलू उद्योग

घरेलू उद्योग के विचार

घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग के आधार और हैसियत के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

20. यह आवेदन मै0 पिरामल इंटरप्राइजेज लि�0 (“मै0 निकोलस पिरामल इंडिया लि�0” जैसा कि इसे मूल जांच के द्वैरान जाना जाता था) है । आवेदक भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र ज्ञात उत्पादक है और वह भारत में संबद्ध वस्तु का संपूर्ण उत्पादन करता है । अतः याचिकाकर्ता नियमों के अर्थ के भीतर वर्तमान याचिका दायर करने के आधार की पूर्ति करता है और वह घरेलू उद्योग है ।

21. घरेलू उद्योग ने *** से थाणे, महाराष्ट्र स्थित अपने पूर्ववर्ती संयंत्र में प्रचालन बंद कर दिए थे, ताकि वह प्रचालन दूसरे संयंत्र में शुरू कर सके जो डिग्वाल, आंध्रप्रदेश में स्थित है । *** से नए संयंत्र में विचाराधीन उत्पाद का वाणिज्यिक उत्पादन पुनः शुरू हो गया है ।

22. प्राथमिक रूप से संयंत्र और प्रक्रियाओं में आगे और अनुकूलन संबंधी परिवर्तन किए गए थे ताकि ऐसे भारतीय उपभोक्ताओं को सूवा जारी रखी जा सके जिनमें उनके भारतीय कार्यक्रमों में यूनीसेफ जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां भी शामिल हैं और संबद्ध देशों से निर्बाध रूप से हो रहे पाठित आयातों से घरेलू उद्योग की रक्षा भी की जा सके ।

23. आवेदक इस समय भारत में विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक बना हुआ है और वह भारत में संबद्ध वस्तु का संपूर्ण उत्पादन करता है । अतः मै0 पिरामल इंटरप्राइज लि�0 भारत में विचाराधीन उत्पाद का “घरेलू उद्योग” है ।

24. उत्पादन पद्धति/प्रौद्योगिकी/प्रक्रिया में परिवर्तन होने से कोई घरेलू उत्पादक जहां तक वह संबद्ध वस्तु का उत्पादन और आपूर्ति करता है, घरेलू उद्योग के दर्जे का अपात्र नहीं बनता है ।

25. विटामिन ए एसीटेट क्रिस्टलों अर्थात् विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण हेतु आयातित कच्ची सामग्री पर की जाने वाली कई प्रक्रियाओं के साथ एक जटिल रासायनिक अभिक्रिया होती है जिसमें अत्यधिक मूल्यवर्धन और श्रम तथा प्रौद्योगिकी लगाया जाना शामिल होता है । कच्ची सामग्री और संबद्ध वरतु समान वस्तुएं नहीं हैं । अतः याचिकाकर्ता एक आयातक नहीं है अपितु वह घरेलू उद्योग बना हुआ है ।

26. मात्र यह तथ्य कि यह कार्यकलाप एक ई ओ यू सुविधा में किया गया है, से “घरेलू उद्योग” के रूप में याचिकाकर्ता की स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है । याचिकाकर्ता द्वारा घरेलू टैरिफ क्षेत्र में की गई निकासियां विचाराधीन उत्पाद के निर्यातों के लिए सीमित अथवा निर्भर नहीं हैं और इन्हें उत्पाद शुल्क प्रदत्त घरेलू बिक्री माना जाता है न कि आयात, जैसा कि उस मामले में हुआ होता जब ये घरेलू वस्तु नहीं रही होती ।

27. प्रकटन विवरण के पश्चात घरेलू उत्पादक के 100 प्रतिशत इकाई होने के मुददे के संबंध में यह दोहराया गया है कि याचिकाकर्ता एक बहु उत्पाद कंपनी है और डिग्वाल स्थित उसकी सुविधा एक ई ओ यू है जिसमें विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण हेतु एक इकाई शुरू की गई है । मै0 पिरामल इंटरप्राइजेज द्वारा घरेलू टैरिफ क्षेत्र में की गई निकासी विचाराधीन उत्पाद के निर्यातों तक सीमित अथवा उस पर निर्भर नहीं है और इसे उत्पाद शुल्क प्रदत्त घरेलू बिक्री माना जाता है और न कि आयात, जैसा कि उस स्थिति में हुआ होता, यदि वह घरेलू वस्तु नहीं रही होती ।

निर्यातकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

28. स्विट्जरलैंड के एक निर्यातक मै0 डी एन पी ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

i. वर्ष 2010 की समाप्ति के बाद अर्थात जांच की समीक्षा अवधि और उसके बाद की अवधि के दौरान एक ही चरण पर परिवर्तन किया जा रहा है। तथाकथित प्रक्रिया सुधार यह है कि याचिकाकर्ता अब भारत में उत्पादन कार्यकलाप नहीं करता है।

ii. याचिकाकर्ता वी ए एस एफ जर्मनी/वी ए एस एफ सिंगापुर से केवल विटामिन ए (एसीटेट व्युत्पत्तियों) क्रिस्टलों का आयात कर रहा है और विटामिन ए (पायीटेट व्युत्पत्ति) बनाने के लिए तनुकरण प्रक्रिया कर रहा है। की गई प्रक्रिया छिटपुट है और उक्त वस्तु आयात बिन्दु पर पहले से ही विटामिन ए है।

iii. याचिकाकर्ता भारत में न्यूनतम प्रचालन करता है जिसके परिणामस्वरूप वस्तु में कोई खास रूपांतरण नहीं होता है, जैसा कि टैरिफ शीर्ष में परिवर्तन से देखा जाता है। अतः याचिकाकर्ता घरेलू उत्पादक की अपेक्षा पर खरा नहीं उत्तरता है।

iv. डीएनपी का अनुरोध है कि याचिका के अनुसार समूचा प्रसंस्करण डिग्वाल, आंग्रेजी भारत में किया जा रहा है जो 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुखी इकाई (ई ओ यू) है। इं ओ यू की स्थापना मुख्यतः निर्यात संवर्धन के उद्देश्य से की जाती है। ऐसी इकाइयों को विभिन्न कर तथा अन्य लाभ प्रदान किए जाते हैं ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सकें। भारतीय बाजार में उसकी बिक्री के लिए संरक्षण का दावा पूर्णतः अनुचित है। प्रकटन विवरण के पश्चात निर्यातक ने अपने इस अनुरोध को दोहराया है कि याचिकाकर्ता 'घरेलू उद्योग' के रूप में योग्यता नहीं रखता है। उन्होंने यह दोहराया है कि इस समय भारत में न्यूनतम प्रसंस्करण किया जा रहा है जिसके कारण याचिकाकर्ता अब घरेलू उद्योग नहीं रह गया है। इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि उसके 100 प्रतिशत ई ओ यू दर्जे के कारण याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग नहीं है क्योंकि यह भारत में सबद्ध वस्तु का उत्पादक नहीं है। समीक्षा जांच में क्षेत्राधिकार का अभाव है क्योंकि भारत में सबद्ध वस्तु का कोई घरेलू उत्पादक नहीं है। याचिकाकर्ता एक आयातक है और न कि वस्तु का उत्पादक।

29. मै0 सॉफ्ट सूल प्रा0 लि0, मुंबई ने यह अनुरोध किया है कि वे संबद्ध वस्तु के आयातक हैं और यदि उक्त आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो स्थानीय आपूर्तिकर्ता अपनी कीमत बढ़ा देंगे और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि इस उत्पाद का एक ही आपूर्तिकर्ता है, इससे उनके क्रेताओं की डिलीवरी अनुसूचियां प्रभावित होंगी। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि मै0 डी एस एम द्वारा सूल कच्ची सामग्री से संबद्ध वस्तु का उत्पादन किया जाता है, जबकि भारतीय उत्पादक अर्थ प्रसंस्कृत पद्धति के जरिए संबद्ध वस्तु का उत्पादन करता है। विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु और वर्तमान जांच के दायरे के संबंध में किसी अन्य आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक और अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई टिप्पणी या अनुरोध दायर नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

30. नियम 2 (ख) के अनुसार "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ केवल शेष उत्पादकों के उल्लेख के रूप में निकाला जाएगा।"

31. यह आवेदन मै0 पिरामिल इंटरप्राइजेज लि0 ("मै0 निकोलस पिरामिल इंडिया लि0" जैसा कि इसे मूल जांच के दौरान जाना जाता था) है। आवेदक भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र ज्ञात उत्पादक है। याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तु का संपूर्ण उत्पादन करता है। अतः याचिकाकर्ता 'कुल भारतीय उत्पादन के एक बड़े भाग' का उत्पादन करता है।

32. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने *** से थाणे, महाराष्ट्र रिस्त अपने पूर्ववर्ती संयंत्र में प्रचालन बंद कर दिए थे, ताकि वह प्रचालन दूसरे संयंत्र में शुरू कर सके जो डिग्वाल, आंग्रेजी भारत में स्थित है। *** से नए संयंत्र में विचाराधीन उत्पाद का वाणिज्यिक उत्पादन पुनः शुरू हो गया है। विटामिन ए एसीटेट क्रिस्टलों अर्थात विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण हेतु आयातित कच्ची सामग्री पर की जाने वाली कई प्रक्रियाओं के साथ एक जटिल रासायनिक अभिक्रिया होती है जिसमें आत्यधिक मूल्यवर्धन और श्रम तथा प्रौद्योगिकी लगाया जाना शामिल होता है।

33. यह स्मरणीय है कि 10 फरवरी, 2012 के सेस्टेट मामला वापसी निर्णयोपरांत जांच परिणाम में अंतिम जांच परिणाम में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह माना था कि :-

"iii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब किसी मध्यवर्ती निविष्टि को रासायनिक प्रक्रिया के जरिए अंतिम उत्पाद में परिवर्तित किया जाता है, तो परिवर्तन की प्रक्रिया को विनिर्माण नहीं माना जाता है और ये दोनों समान वस्तुएँ नहीं हो सकती हैं। इसके अलावा, उत्पाद पद्धति, प्रौद्योगिकी प्रक्रिया में परिवर्तन से घरेलू उत्पादक घरेलू उद्योग के दर्जे का अपात्र नहीं बन जाता है जब तक कि वह संबद्ध वस्तु के उत्पादन और आपूर्ति का कार्य कर रहा हो।"

34. जहां तक घरेलू उद्योग के 100 प्रतिशत ई ओ यू होने और इसी लिए वह घरेलू उद्योग के पात्र न होने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि ई ओ यू सुविधा से स्वयं "घरेलू उद्योग" के रूप में याचिकाकर्ता के दर्जे पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। वस्तुतः यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता द्वारा घरेलू टैरिफ क्षेत्र में की गई निकासी विचाराधीन उत्पाद के निर्यातों तक सीमित

अथवा उस पर निर्भर नहीं है और इसे उत्पाद शुल्क प्रदत्त घरेलू विक्री माना जाता है और न कि आयात । इस प्रकार निर्दिष्ट प्राधिकारी के रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर याचिकाकर्ता का उत्पादन भारत में संबद्ध वस्तु का समग्र उत्पादन बनता है और इस प्रकार वह नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है ।

घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीयता के दावे और अन्य दावों का मुद्दा

35. घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं :—

क. वैनलो स्थित ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर और सिंगापुर में कार्यरत कंपनी के बौरों का अभी खुलासा नहीं किया गया है । निर्यातक ने स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया है कि ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर अर्थात् “वैनलो ग्लोबल डी सी” संबद्ध वस्तु की विक्री करता है और सिंगापुर में एक कंपनी भी इसमें शामिल है । परंतु निर्यातक ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और इस सूचना का सारांश उपलब्ध नहीं कराया है । यह नोट करना भी प्रासंगिक है कि सिंगापुर स्थित उक्त कंपनी द्वारा प्रश्नावली का कोई उत्तर अथवा आंकड़े दायर नहीं किए गए हैं, जो जाहिर तौर पर भारत के विचाराधीन उत्पाद के नियात में शामिल है । इस प्रकार भारत को होने वाले नियातों की श्रृंखला पूरी नहीं होती है और उक्त नियातक द्वारा दायर आंकड़े अधूरे और त्रुटिपूर्ण हैं और इससे माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अलग व्यवहार प्रदान नहीं किया जा सकता ।

ख. प्राधिकारी द्वारा जारी की गई प्रश्नावली का किसी अन्य नियातक ने उत्तर नहीं दिया है । अतः नियातकों को नियम 6(8) के अनुसार असहयोगी माना जाना चाहिए और प्राधिकारी को सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए ।

ग. संबद्ध देशों के अलावा, क्षति अवधि, जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि अर्थात् जनवरी, 2012 से जून, 2012 के दौरान सिंगापुर, नीदरलैंड, जर्मनी और यू.ए.ई से भारत में संबद्ध वस्तु के नियातों की सूचना दी गई है । याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि भारत और चीन के अलावा यूरोपीय संघ में जर्मनी जैसे कुछ ही देशों ने विचाराधीन उत्पाद की विनिर्माण सुविधाएँ स्थापित की हैं । अतः अन्य स्रोतों से भारत को होने वाले नियात स्पष्ट तौर पर इन देशों में रथापित की जाने वाली विनिर्माण सुविधाओं के अभाव में यानांतरण के मामले हैं ।

घ. ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर और संबद्ध वस्तु के वितरण और विक्री में शामिल अन्य केन्द्रों की लागत के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है ।

ड. नियातक द्वारा माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को चुनिंदा ढांग से आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए जा सकते क्योंकि इस बात का पता नहीं है कि क्या संबद्ध वस्तु की सभी विक्रियों का प्रकटन किया गया है और नियातक को संबद्ध वस्तु के केवल उन रूपों के लिए आंकड़े प्रदान किए जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती जिसका भारत को नियात किया गया है ।

च. नियातक ने केवल ई.यू.को हुए नियातों के बारे में मनमाने और सुविधाजनक ढांग से सूचना प्रदान की है ।

छ. नियातक ने दस्तावेजों को गोपनीयता की जरूरत को बताते हुए कोई पर्याप्त औचित्य दिए बिना गोपनीय दस्तावेज के रूप में श्रेणीकृत किया है और उसने पाटनरोधी नियमावली के लागू नियम 7 के अनुसार इसका कोई उचित सारांश नहीं दिया है ।

ज. यूरोप या सिंगापुर स्थित दूसरी कंपनियों को स्वतंत्र उत्तर दायर करना चाहिए था । नियातक द्वारा आपूर्त उत्पाद की मात्रा, उत्पाद कोड, बीजक संख्या, बीजक की तारीख, निवल बीजक मूल्य से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़ों के गोपनीय होने का दावा किया गया है ।

झ. परिशिष्ट 3 ग में सभी अन्य तीसरे देशों के लिए सूचना उपलब्ध कराने की अपेक्षा की गई है, नियातक ने केवल ई.यू.को हुए नियातों के बारे में मनमाने ढांग से और सुविधापूर्ण तरीके से सूचना प्रदान की है । नियातक ने बिक्री कीमत, और छूट/कमीशन, कुल लागत तथा कारखाना रस्तर पर कीमत का प्रकटन नहीं किया है ।

ट. नियातक ने निर्धारित प्रपत्र में आंकड़े प्रदान नहीं किए हैं और इसलिए इसे अस्वीकृत किया जाना चाहिए ।

ठ. नियातक ने इस तथ्य का खंडन नहीं किया है कि उसके अन्य देशों में सयत्र हैं और उसने इस बात का प्रकटन नहीं किया है कि क्या इन संयंत्रों में विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने वाले उनके संयंत्र हैं ।

ड. नियातक भारत में सिंगापुर जैसे अन्य देशों के जरिए यानांतरण की पद्धति के बावजूद उत्तर देने से बचता रहा है जिसके बारे में नियातक ने स्पष्ट तौर पर स्वीकार किया है ।

ढ. माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को कंपनी के रिकॉर्डों की मुक्कमल जांच करनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने समस्त सूचना का पर्याप्त सत्यापन कर उस पर विचार किया है ।

ण. यद्यपि, परामर्शदाता ने के सेवंतीलाल एंड कंपनी की ओर से आयातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है, तथापि मुख्यपृष्ठ पर “डीएसएम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स” की ओर से किए जाने वाले अनुरोधों का उल्लेख है ।

त. अगोपनीय अनुबंध पूर्णतः कोरे हैं और इस कारण के सिवाय कोई सूचना नहीं है कि “यदि सूचना को सार्वजनिक किया जाता है तो याचिकाकर्ताओं द्वारा उसका दुरुपयोग किया जा सकता है” ।

थ. प्रकटन विवरण के पश्चात् घरेलू उद्योग ने डी एन पी तथा आयातक द्वारा दावा किए गए अत्यधिक गोपनीयता से जुड़े मुद्दों को पुनः उठाया है। यह भी अनुरोध किया गया है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी महत्वपूर्ण मुद्दों का प्रकटन करने के लिए पाटन मार्जिन की गणना करने में विफल रहे हैं जिसमें संबद्ध देशों के लिए निकाला गया पाटन मार्जिन शामिल है।

निर्यातक और आयातक द्वारा गोपनीयता के दावे और अन्य दावों का मुद्दा

36. निर्यातक और आयातक द्वारा गोपनीयता के दावे और अन्य दावों का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

क. वैलो ग्लोबल डी सी नामक ग्लोबल सेंटर भारत या स्विटजरलैंड या किसी अन्य देश में न तो संबद्ध वस्तु का उत्पादन करता है और न ही उसकी बिक्री करता है। यह केवल एक वितरण केन्द्र है शेयर्स्टार्कों ने इस प्रश्न का सही ढंग से उत्तर दिया है।

ख. डी एन पी ने किसी अन्य कंपनी द्वारा अदा की गई भूमिका से इंकार नहीं किया है। सौदों के ब्यौरों का उल्लेख उत्तर के गोपनीय रूपांतरण में किया गया है।

ग. सूचना सही ढंग से प्रदान की गई है। दिया गया विवरण यह है कि कोई अन्य कंपनी वरतु का उत्पादन नहीं करती है।

घ. भारत में बेचा गया उत्पाद स्विटजरलैंड में बेचे गए उत्पाद के समान गुणवत्ता का है। सूचना अलग-अलग प्रकारों के लिए प्रदान की गई है।

ड. डी एन पी ने ई यू को हुए उसके निर्यातों के बारे में सूचना प्रदान नहीं की है क्योंकि ईयू सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु एक तुलनीय बाजार है। डी एन पी ने आगे यह अनुरोध किया है कि प्राधिकारी ने डी एन पी को एक सहयोगी नियातक माना है और घरेलू उद्योग द्वारा अंतिम जांच परिणाम को कोई चुनौती नहीं दी गई है और इसलिए इस चरण पर इस मुद्दे को दुबारा नहीं उठाया जा सकता।

च. घरेलू बिक्री के बीजकों ने ग्राहकों के नाम, कीमत आदि जैसी संवेदनशील सूचना निहित है, जिसे यदि प्रकटित किया जाएगा तो वह कंपनी के व्यापारिक हितों के लिए नुकसानदायक होती।

छ. कीमत निर्धारण संबंधी सूचना की प्रकृति बाजार संवेदनशील होती है। कीमत निर्धारण सी आई पी होता है अर्थात् उसमें ढुलाई और बीमा शामिल होता है जिसकी कटौती करनी होती है।

ज. डी एन पी ने अपने उत्पादों की बिक्री विविध आयातकों/वितरकों/अंतिम प्रयोक्ताओं को की है। भुगतान की अवधि 30 दिन से लेकर 90 दिन की होती है। विचाराधीन उत्पाद के लिए न तो कोई शुल्क लगाया जाता है और न उसकी वापसी की जाती है।

झ. गणना हेतु उचित आधार के साथ संपूर्ण ब्यौरे प्रदान किए गए हैं। विदेशी भाड़े और बीमा का हिस्सा व्यय की गई कुल लागत का सर्वाधिक होता है।

ट. उत्पादन लागत ऐतिहासिक रूप से स्थिर है। उत्पादन लागत गोपनीय स्रोत की है। सामग्री की लागत समग्र लागत का एक बड़ा घटक है। विकियां लाभप्रद हैं।

ठ. डी एन पी ने अनुरोध किया है कि यद्यपि कि उसे एक रिएक्टर में दुर्घटना हुई है, परंतु उससे कारखाना न तो बंद हुआ है, लंबे समय तक तालाबदी नहीं हुई है अथवा उत्पादन में कमी नहीं आई है।

ड. डी एन पी ने अनुरोध किया है कि संविदा के प्रकार, संविदा अवधि, पुनः बातचीत की बारंबारता, संविदा जारी करने अथवा उसके प्रावधान को पूरा करने, मानक मात्रा की जरूरतों, कीमत प्रीमियत आदि से संबंधित सूचना पूर्णतः गोपनीय स्वरूप की है क्योंकि इसके सार्वजनिक क्षेत्र में जाने पर प्रतिस्पर्धियों द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है।

ढ. भारत से इतर प्रतिनिधिक देशों को विचाराधीन उत्पाद के निर्यातों का ब्यौरा सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध नहीं है और यह गोपनीय स्वरूप का है। डी एन पी ने अपने उत्तर में यह बताया है कि उक्त सूचना गोपनीय रूपांतरण की परिशिष्ट में दी गई है। इस सूचना का सारांशीकरण संभव नहीं है।

ण. डी एन पी द्वारा उत्पादन के वर्तमान स्तर और संबद्ध वस्तु की मांग के बारे में सूचना गोपनीय आधार पर प्रदान की गई है। पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारत को होने वाले निर्यातों में गिरावट आई है।

त. प्रकटन विवरण के पश्चात् यह अनुरोध किया गया है कि जांच जारी रखने का कोई कानूनी आधार नहीं है। इस संबंध में यह उल्लेख किया गया है कि धारा 9 के (1) के अंतर्गत अधिसूचना सं0 112/2007-सी.श. के तहत लगाया गया पाटनरोधी शुल्क 5 वर्ष की अवधि के लिए वैध था। धारा 9 के (5) में यह उपबंध है कि किसी निर्णयक समीक्षा के परिणाम के लंबित रहने तक शुल्क को “लागू रखना जारी” रखा जा सकता है। “जारी रखने” शब्द के प्रयोग से यह संकेत मिलता है कि शुल्क को किसी अंतराल के बिना निरंतर जारी रखा जाना चाहिए। वर्तमान मामले में शुल्क 28.3.2012 को समाप्त हो गया है और इसे केवल 12.4.2012 को भी पुनः लागू किया गया था। अतः समय विस्तार/पुनः लागू किए जाने की तरीख को मूल शुल्क लागू नहीं था, इस प्रकार शुल्क जारी रखने का प्रश्न नहीं उठता है। समीक्षा अवधि के दौरान शुल्क की अवधि को एक वर्ष तक बढ़ाए जाने से संबंधित अधिसूचना कानूनी तौर पर रखीकर्य नहीं है। यह भी अनुरोध किया गया है कि

समय विस्तारित शुल्क भी 12.4.2013 को समाप्त हो गया । प्रकटन विवरण में 5 वर्ष की अवधि तक आगे और समय बढ़ाने का प्रस्ताव कानून के विरुद्ध है । इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि समीक्षा शुरू करने का कोई कानूनी आधार नहीं है । यह भी अनुरोध किया गया है कि प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा किए गए अत्यधिक गोपनीयता के दावे के बारे में भी एन पी द्वारा दिए गए तर्कों पर विचार नहीं किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

37. (i) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावों की जांच की है और गोपनीयता के दावे के बारे में संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी की परंपरानुसार इसकी अस्थाति प्रदान की गई है । जहां तक उत्पादक और निर्यातक की संगठनात्मक संरचना का संबंध है, यह उल्लेख किया जाता है कि *** की मूल कंपनी नीदरलैंड में है । यह स्टॉक एक्सचेंज ऑफ एम्स्टर्डम में एक सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी है । डी एस एम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स होल्डिंग लिमिटेड डी एस एम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स लिमिटेड (डी एन पी) *** की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है । डी एस एम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स लिमिटेड (डी एन पी) में अब आमेलित मैं । डी एस एम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स एशिया पेसिफिक (डी एन पी ए पी) मूल कंपनी *** की दूसरी सहायक कंपनी है । जहां तक उत्पादक और निर्यातक द्वारा दायर उत्तरों का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि उत्तर उत्पादक और निर्यातक (अर्थात मैं । डी एन पी, स्विट्जरलैंड और डी एस आई, सिंगापुर दोनों) द्वारा दायर किए गए थे और इसकी अगोपनीय प्रति सभी संबंधितों के सूचनार्थ सार्वजनिक फाइल में रखी गई थी । इसके अलावा, स्विट्जरलैंड में उत्पादक और निर्यातक के परिसरों में सत्यापन दौरा किया गया था और उत्पादक तथा निर्यातक को सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी । प्राधिकारी द्वारा सत्यापन रिपोर्ट पर दी गई टिप्पणियों पर इस प्रकटन विवरण में विचार किया गया है । जहां तक अन्य मुददों का संबंध है, प्राधिकारी ने इनकी जांच इस जांच परिणाम के उचित शीर्षकों के अंतर्गत की है ।

(ii) जांच जारी रखने के कानूनी आधार के मुददे के संबंध में यह नोट किया जाता है कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 के (5) और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23(1)(ख) में 5 वर्ष के उदग्रहण की समाप्ति पर पाटनरोधी शुल्क की निर्णयक समीक्षा करने का उल्लेख है । उपर्युक्त उपबंधों से माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को शुल्क की समाप्ति से पूर्ण निर्णयक समीक्षा जांच शुरू करने और निर्णयक समीक्षा शुरू करते समय [धारा 9 के (5) के द्वितीय परंतुक] एक वर्ष तक शुल्क को बढ़ाए जाने की शक्ति प्राप्त होती है । इसके अलावा, नियम 23 (2) में यह उपबंध है कि कोई समीक्षा 12 माह से अनधिक अवधि के भीतर की जाएगी । इसके अलावा, नियम 23(3) में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि नियम 6,7,8,9 / 10,11,16,17,18,19 और 20 के उपबंध समीक्षा के मामले में आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होंगे । इस संबंध में यह नोट किया जा सकता है कि नियम 17 के प्रथम परंतुक के अंतर्गत माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को 12 माह की अवधि को आगे और 6 माह तक बढ़ाने की स्पष्ट अनुमति है । नियम 17 के परंतुक के साथ नियम 23(2) के पाठन से इस बात का स्पष्ट संकेत मिलता है कि इसी प्रकार का समय विस्तार समीक्षा के मामले में भी प्रदान किया जा सकता है । इस संबंध में अनुरोध है कि वर्तमान समीक्षा में जांच पूरी करने के लिए समय विस्तार पूर्णतः पाटनरोधी नियमों के उपबंध के भीतर है और यह समय विस्तार केन्द्र सरकार द्वारा विधिवत प्रदान किया गया है । अतः अनुरोध है कि जांच को पूरा करने के लिए माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा लिया गया वर्तमान समय विस्तार विधिसम्मत और डी जी ए डी को नियम 23, नियम 17 और धारा 9 के (5) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों के भीतर है तथा डी जी ए डी द्वारा जारी किया गया कोई अंतिम जांच परिणाम इस बारे में कानून की मूल भावना के अधिदेश के भीतर है और विविसम्मत है ।

पाटन और पाटन मार्जिन की गणना

पाटन मार्जिन

घरेलू उद्योग के विचार

38. (क) घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :—

- याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए । इसके अलावा, बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के लिए चीन के किसी उत्पादक या निर्यातक ने कोई दावा नहीं किया है । चीन के किसी भी निर्यातक ने न तो प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है और न ही बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया है । ऐसा मामला होने के कारण अनुबंध—। के पैरा 8 को लागू करने और इस बात पर विचार करने का प्रश्न नहीं उठता है कि क्या चीन की कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की पात्र हैं ।
- मूल जांच में प्राधिकारी ने चीन जन. गण. के किसी भी प्रतिवादी निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया है ।
- उस कीमत के बारे में सूचना प्राप्त करने के लिए पर्याप्त प्रयास किए गए थे जिस कीमत पर स्विट्जरलैंड में उत्पादकों द्वारा व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में अपने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री की जा रही है । निर्यातकों/विनिर्माताओं की कीमत सूचियों का साक्ष्य प्राप्त करने अथवा अन्य देशों को उनके निर्यातों का कीमत साक्ष्य प्राप्त करने अथवा किसी प्रकाशित

स्रोत से कोई अन्य सूचना प्राप्त करने के प्रयास भी किए गए थे । इस संबंध में याचिकाकर्ता यूरोपीय संघ में एक उत्पादक द्वारा की गई घरेलू बिक्री के नमूना बीजक प्राप्त करने में समर्थ रहा है ।

iv. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में यूरोप को चीन के लिए एक उचित प्रतिनिधिक देश के रूप में माना है । सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्राधिकारी यूरोप को एक उचित प्रतिनिधिक देश मानने पर विचार कर सकते हैं ।

v. कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, उदगम के पत्तन पर हैंडलिंग प्रभार, अंतर्देशीय भाड़े और कमीशन के लिए समायोजनों पर विचार किया गया है ।

vi. स्विट्जरलैंड के निर्यातक डी एन पी के लिए यह अनिवार्य है कि वह घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की अलग-अलग रूपों में की गई सभी बिक्रियों का प्रकटन करे और न कि केवल उन बिक्रियों का, जिन्हें वह समान मानता है । इसके अलावा, कंपनी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अन्य सभी तीसरे देशों को किए गए निर्यातों की सूचना प्रदान करे जबकि कंपनी ने केवल ई यू को हुए निर्यातों के बारे में मनमाने और सुविधाजनक ढंग से सूचना प्रदान की है ।

निर्यातक डीएनपी द्वारा दायर किया गया उत्तर त्रुटिपूर्ण और अपूर्ण है और माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्त निर्यातक द्वारा दायर की गई सूचना की अनदेखी कर सकते हैं और निर्यातक को “असहयोगी” मान सकते हैं । अतः पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर मैं ० डी एस एम सहित स्विट्जरलैंड से हुए सभी निर्यातों पर अवशिष्ट शुल्क दर लागू करें ।

vii. प्रकटन विवरण के पश्चात चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के मुद्रे के संबंध में यह अनुरोध किया गया है कि प्राधिकारी को ई यू में नमूना बीजक कीमत सामान्य मूल्य के निर्धारण के आधार के रूप में लेनी चाहिए थी । उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि इस बात का खुलासा किया जाए कि सूचना का प्रकटन न किए जाने के मद्देनजर चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत की गणना कैसे की गई है । आगे यह बताया गया है कि डी एन पी ने अधूरा तथा त्रुटिपूर्ण उत्तर दायर किया है और उसकी संबंधित कंपनियों ने समय के भीतर आंकड़े दायर नहीं किए हैं । यह अनुरोध किया गया है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को निर्यातकों डी एन पी, डी एन पी ए पी द्वारा दायर विलंबित एवं अधूरे आंकड़ों की अनदेखी करनी चाहिए थी । आगे यह अनुरोध किया गया है कि भारत में डी एन पी के संबद्ध आधारके सूचना प्रस्तुत नहीं की है और इस प्रकार भारत के लिए डी एन पी की निर्यात कीमत को अस्वीकार किया जाना चाहिए ।

निर्यातकों तथा उत्पादकों के विचार

38(ख) यह अनुरोध किया गया है कि दायर किए गए आवेदन का किसी साक्ष्य द्वारा समर्थन नहीं किया गया है ताकि समीक्षा की जा सके । जांच की शुरुआत पिरामल द्वारा दायर याचिका के आधार पर की गई है जिसमें जर्मनी में एक डी एस एम संयंत्र द्वारा जारी किए गए बीजक का संदर्भ है जिस पर आरोपित पाटन के लिए भरोसा किया गया है ।

ख. पाटन का जारी रहना

39. प्राधिकारी ने धारा 9क (1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों में सभी इतांति निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियां भेजी । चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक/निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है । रिविट्जरलैंड से मैं ० डी एन पी का एक उत्तर प्राप्त हुआ है । अतः चीन जन.गण. के संबद्ध वरतु के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास असहयोगी निर्यातक के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अंतर्गत सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्रवाई करने के अलावा, कोई विकल्प नहीं है । इस नियम में निम्नानुसार प्रावधान है कि :

“ऐसे मामले में जहां कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं करता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी उसके पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और ऐसी परिस्थितियों में केन्द्र सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकते हैं जिन्हें वह उचित समझते हों ।

सामान्य मूल्य

40. 9(1)(ग) के अधीन, किसी वरतु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

(i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

(ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वरतु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की रिस्ति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा ।

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में चीन के किसी भी उत्पादक ने सहयोग नहीं किया है ।

पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में प्रावधान है कि :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदर्भ अथवा भुगतान योग्य कीमत, किसी यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी भी प्रकार अनुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो, उचित समय चीम के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के गामले में की गई जांच पर भी ध्यान देया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित वित्तीय के रूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।"

4. प्रावधान ने दिया किया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण उपर्युक्त उपबंधों के आधार पर किया जाना चाहिए । प्राधिकारी ने अनुबंध के पैरा 7 और 8 के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमन्त्रित की ।

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो पाटनरोधी नियमावली के अनुसार नियामक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस अनुमान के खंडन के अधीन है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातक पैरा 8 के उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट भानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करता है और इसके प्रतिकूल सिद्ध करता है । तथापि, चीन 10 जन 2003 में संबद्ध वस्तु के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने न तो प्राधिकारी के साथ सहयोग किया है और न ही पैरा 8 के उप-पैरा (3) में किसी उल्लेख के अनुसार कोई सूचना/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सके ।

43. कल्पी सामग्रियों सहित कीमत, लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन गण में रखी गई फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में सत्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं ।

44. इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय रिश्ति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनियय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से दूर रहत्वपूर्ण दिक्कतियों के अध्यधीन हैं ।

45. इस प्रबन्ध की फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रधालन की कानूनी निश्चिताता और उपलब्धी की गारंटी देते हैं, और

46. विनियम दर का परिवर्तन व्याज की दर पर किया जाता है ।

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के किसी भी निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था की प्रश्नावली के उत्तर सहित प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन की मांग नहीं की है, इसलिए प्राधिकारी चीन के उत्पादनों और निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे पर विचार कर उसे प्रदान नहीं कर सकते । अतः प्राधिकारी चीन के मामले में सामान्य नूल के निर्धारण हेतु अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार कार्रवाई करने के लिए बाध्य है ।

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर सामान्य नूल का निर्धारण इसलिए नहीं किया जा सकता क्योंकि उक्त देश में किसी उत्पादक से संगत सूचना प्राधिकारी के पास उपलब्ध नहीं है ।

49. स्वयंकर की ध्यान में रखते हुए और चीन के उत्पादकों से सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने "किसी अन्य आधार" पर सामान्य नूल का निर्धारण करना उचित माना है और उन्होंने उत्पादन लागत के सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य का परिकलन किया है । इस प्रकार निकाले गए सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन दराने वाली तालिका में किया गया है ।

ग. चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

46. धारा 9 क (1)(ख) के अंतर्गत निर्यात कीमत का तात्पर्य है :

किसी वस्तु के संबंध में 'निर्यात कीमत' का तात्पर्य निर्यातक देश या क्षेत्र से निर्यातित वस्तु की कीमत से है अथवा ऐसे मामलों में जहां कोई निर्यात कीमत नहीं है अथवा जहां निर्यातक और आयातक अथवा किसी तीसरे पक्षकार के बीच सहयोग या किसी प्रतिपूरक व्यवस्था के कारण निर्यात कीमत अविश्वसनीय है, वहां निर्यात कीमत का परिकलन उस कीमत के आधार पर किया जा सकता है जिस कीमत पर आयातित वस्तुओं की प्रथम पुनः बिक्री किसी स्वतंत्र क्रेता को की जाती है और यदि उक्त वस्तु की बिक्री किसी स्वतंत्र क्रेता को नहीं की जाती है अथवा आयातित रूप में उसकी पुनः बिक्री नहीं की जाती है, वहां उसका परिकलन ऐसे उचित आधार पर किया जाता है जैसा कि उपर्याहा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किया जाए;

47. निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने समस्त ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावलियां भेजीं। संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने कोई सूचना दायर नहीं की।

48. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने डी जी सी आई एस के सौदेवार आंकड़ों को ध्यान में रखने के बाद निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए उपलब्ध तथ्यों के अनुसार समायोजन किए गए हैं। जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के निर्यातों के बीच में पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है, जिसका उल्लेख पाटन मार्जिन दर्शाने वाली तालिका में किया गया है।

स्विटजरलैंड के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

डी एस एम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स स्विटजरलैंड (डी एन पी) (उत्पादक) और मै० डी एस सिंगापुर इंडस्ट्रियल पी टी ई लि० (डी एस आई) सिंगापुर के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

49. जहां तक उत्पादक और निर्यातक मै० डी एन पी द्वारा इस तथ्य के बारे में दिए गए तर्कों का संबंध है, कि निर्णायक समीक्षा की शुरुआत सही नहीं है, यह नोट किया जाता है कि निर्णायक समीक्षा की शुरुआत आवेदक द्वारा समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए पर्याप्त सकारात्मक सूचना प्रदान किए जाने के बाद की गई है। तत्पश्चात् स्विटजरलैंड से पाटन जारी रहने का निर्धारण करने हेतु प्राधिकारी द्वारा उत्पादक और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत समस्त सूचना पर विचार किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै० डी एन पी संबद्ध वस्तु का उत्पादन कर उसकी बिक्री घरेलू बाजार और यूरोपीय बाजार तथा भारतीय बाजार में करती है। निर्यातक ने अनुरोध किया है कि घरेलू बाजार में उनकी बिक्री कंपनी द्वारा संबद्ध वस्तु की कुल बिक्री के *** से कम होने के कारण ये सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्रतिनिधिक बिक्रियां नहीं हैं। निर्यातक ने यह भी अनुरोध किया था कि सर्वाधिक उचित घरेलू बाजार ई यू होगा जो जांच अवधि के दौरान लगभग *** बिक्री का प्रतिनिधित्व करता है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि करार की पाद टिप्पणी 2 में प्रावधान है कि :

'निर्यातक देश के घरेलू बाजार में खपत के लिए नियत समान उत्पाद की बिक्री को सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु उस स्थिति में सामान्यतः पर्याप्त मात्रा में माना जाएगा, यदि ऐसी बिक्री निर्यातक सदस्य को विचाराधीन उत्पाद की हुई बिक्री के 5 प्रतिशत या उससे अधिक बनती है बशर्ते कम अनुपात वहां स्वीकार्य होना चाहिए जहां साक्ष्य से यह पता यलता हो कि ऐसे कम अनुपात पर घरेलू बिक्री उचित तुलना उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त मात्रा से कम नहीं है।'

50. प्राधिकारी नोट करते हैं कि समान उत्पाद की घरेलू बाजार में बिक्री भारत को हुई बिक्री के 5 प्रतिशत से कम बनती है अतः करार के अनुसार घरेलू बाजार में हुई बिक्री को पर्याप्त मात्रा में माना जाता है और इसलिए उस पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचार नहीं किया गया है और तदनुसार, प्राधिकारी ने निर्यातक देश में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु उस पर विचार नहीं किया है।

51. यह नोट किया जाता है कि स्विटजरलैंड के उत्पादक और निर्यातक द्वारा तीसरे देशों के लिए सौदेवार निर्यात कीमत उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस तथ्य के आधार पर कि प्रतिवादी उत्पादक और निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के उत्तर में अपेक्षित अन्य संगत सूचना प्रस्तुत की गई है, प्राधिकारी ने उत्पादन लागत के आधार पर तथा लाभ मार्जिन को जोड़कर प्रतिवादी उत्पादक तथा निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। इस प्रकार निकाले गए सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन संबंधी तालिका में किया गया है।

निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

डी एस एम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स (डी एन पी), स्विटजरलैंड और मै० डी एस आई, सिंगापुर

52. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान मै० डी एन पी ने भारत को संबद्ध वस्तु की *** की निर्यात बिक्रियों की सूचना दी है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत को बिक्री के लिए डी एन पी के उत्पाद भारत को भेजे जाने से पूर्व या तो नीदरलैंड से सिंगापुर जाते हैं। या फिर उनका निर्यात सीधे नीदरलैंड से किया गया है। निर्यातक ने यह अनुरोध किया है कि संबद्ध उत्पादों का प्रहरतन सिंगापुर स्थित एशिया पेसिफिक हेतु डी एस एम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा किया जाता है। यह एक व्यापार संगठन है, जिसका भांडागार है और जो बीजक तैयार करता है तथा भारत और अन्य एशिया प्रशांत देशों को उत्पादों का पुनः निर्यात करता है।

53. यह नोट किया गया था कि कंपनी ने भारत को और भारत में स्वतंत्र ग्राहकों को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है । यह भी नोट किया जाता है कि अधिकांश बिक्री *** को की गई थी । *** जैसे अंतिम प्रयोक्ताओं को भी कुछ विक्रियां की गई थीं । इन सभी मामलों में ग्राहक द्वारा डी एस एम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स एशिया पेसिफिक (डी एन पी ए पी), अब डी एस एम सिंगापुर इंडस्ट्रियल पी टी ई लिं (डी एस आई) में आमेलित, को ऑर्डर दिए गए थे । तत्पश्चात् बिक्री पुष्टिकरण आदेश जारी किया जाता है । ग्राहकों द्वारा भुगतान डी एन पी ए पी/डी एस आई को किए गए थे और आगे भुगतान डी एन पी ए पी/डी एस आई द्वारा डी एन पी को किए गए थे । यह भी नोट किया जाता है कि उत्पाद का पोतलदान सिजेलन, स्विटजरलैंड स्थित फैक्री से सीमाशुल्क बाड़ के अंतर्गत वैनलो, नीदरलैंड को किया गया था । वैनलो में कंपनी का सीमाशुल्क बांडेड भांडागार है । लदान बिल से यह नोट किया गया था कि वस्तु का अप्रत्यक्ष पोतलदान एंटर्वर्प स्थित पत्तन से सिंगापुर के जरिए अथवा सीधे भारत को किया गया था । कुल *** नियांतों में से *** निर्यात सीधे वैनलो स्थित भांडागार से भारत को किए गए थे जबकि *** खेपों के संबंध में वस्तु का धनांतरण सिंगापुर से होकर किया गया था ।

54. जांच की कार्रवाई के दौरान निर्यातक ने सिजेलिन स्थल से वैनलो, नीदरलैंड (भांडागार) तक अंतरदेशीय भाड़ के कारण प्रत्यक्ष बिक्री व्यय और संबद्ध बीमा व्यय; भंडारण एवं हैंडलिंग प्रभारों; भारत के लिए समुद्री भाड़ और संबद्ध बीमा व्यय तथा नौवहन प्रभारों के लिए समायोजन हेतु सुधाना प्रदान की है । पैकिंग व्यय के संबंध में किसी समायोजन का दावा नहीं किया गया है क्योंकि उसे लागत में शामिल किया जाता है और निर्यात पैकिंग तथा घरेलू पैकिंग में कोई अंतर नहीं है । तदनुसार, कार्रवाई रत्तर पर निवल निर्यात कीमत पाटन मार्जिन की तालिका में उल्लेख किए गए अनुसार बनती है ।

55. स्विटजरलैंड के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य और डी एन पी के लिए निर्धारित निवल निर्यात कीमत के आधार पर इस सहयोगी निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है जिसका उल्लेख पाटन मार्जिन की तालिका में किया गया है ।

स्विटजरलैंड के अन्य निर्यातक

56. निर्यातकों के आंकड़ों के अनुसार समायोजनों की अनुमति देने के बाद सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अन्य निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण स्विटजरलैंड के सहयोगी निर्यातक की न्यूनतम निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है । इस प्रकार निर्धारित निर्यात कीमत की तुलना स्विटजरलैंड के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य के साथ की गई है । तदनुसार, स्विटजरलैंड के सभी अन्य निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन की गणना की गई है जिसका उल्लेख पाटन मार्जिन की तालिका में किया गया है ।

पाटन मार्जिन:

देश	उत्पादक/निर्यातक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन % रेज
			अम.डा. / किग्रा	अम.डा. / किग्रा	अम.डा. / किग्रा	अम.डा. / किग्रा
स्विटजरलैंड	मैरी डीएसएम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स (डीएनपी), स्विटजरलैंड और — डीएसएम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स एशिया पेसिफिक, डीएसआई सिंगापुर इंडस्ट्रियल पीटीई लिं (डी एन पी) का एक प्रभाग	***	***	***	***	20-30
स्विटजरलैंड	अन्य	***	***	***	***	20-30
चीन जन.गण.	समस्त	***	***	***	***	40-50

क्षाति निर्धारण की कारणात्मक और क्षाति तथा कारणात्मक संबंध की जांच

घरेलू उद्योग के विवार

57. घरेलू उद्योग ने निमानुसार अनुरोध किए हैं :—

- i. वर्ष 2010-11 की तुलना में जांच अवधि के दौरान आयातों में वृद्धि हुई है और इनमें जांचोत्तर अवधि में वृद्धि जारी रही है जिससे घरेलू उद्योग को लगातार क्षति हुई है ।
- ii. संबद्ध देशों से हुए आयातों की कीमत में भारी गिरावट आई है जिससे घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- iii. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री संबंधी नुकसान हुआ है । इसके अलावा, जांचोत्तर अवधि में भी कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री जारी रही है ।
- iv. यद्यपि, देश में मांग में भारी वृद्धि हुई है, तथापि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मांग में हुई वृद्धि के अनुरूप बढ़ोत्तरी नहीं हुई है जबकि संबद्ध देशों के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।
- v. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना से उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से में गिरावट और माल-सूची में वृद्धि का स्पष्ट तौर पर पता चलता है ।
- vi. क्षति अवधि और जांचोत्तर अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता प्रभावित हुई है । वस्तुतः याचिकाकर्ता ने अपनी विनिर्माण प्रक्रिया बदल दी है और अधिक लागत भित्तियां उत्पादन करने वाली प्रौद्योगिकी अपनाई है जिससे संबद्ध वस्तु के सतत पाटित आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में आसानी हुई है । परिणामतः घरेलू उद्योग द्वारा किए गए सुधारों के कारण पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में समीक्षा अवधि में लाभप्रदता में मामूली सुधार हुआ है । तथापि, यह सुधार पाटित आयातों के कारण हुए क्षतिकारी प्रभावों को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं है ।
- vii. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क के अमाव में पाटन में आगे और तेजी आएगी और पाटित आयातों के कारण याचिकाकर्ता की लाभप्रदता पर भारी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।
- viii. याचिकाकर्ता ने निवेश किए हैं, जिससे उसकी नई सुविधा में विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए अपनी क्षमता को बढ़ाना सुविधाजनक बना है । तथापि, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के सतत पाटन के कारण निवेश/लगाई गई पूँजी पर आय प्रभावित हुई है जिसमें घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त सुधार नहीं हुआ है ।
- ix. जैसा कि प्राधिकारी ने कई मामलों में निर्धारित किया है, निर्णायक समीक्षा जांच में क्षति रहित कीमत और निवल बिक्री प्राप्ति के बीच अंतर महत्वहीन होता है । ऐसे विभिन्न निर्णायक समीक्षा के मामलों में पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाई गई है, जहां क्षति रहित कीमत निवल बिक्री प्राप्ति से कम थी ।
- x. कम उत्पादन का कारण विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से बाजार में उपलब्ध सस्ती समाप्ति के मददेनजर वस्तु की बिक्री करने में घरेलू उद्योग की असमर्थता है ।
- xi. प्रकटन विवरण के पश्चात क्षति के मुद्दे पर घरेलू उद्योग ने अपने पूर्ववर्ती अनुरोध दोहसाए हैं । यह अनुरोध किया गया है कि जांच अवधि के दौरान देश में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि हुई है । यद्यपि, जांच अवधि से जांचोत्तर अवधि के दौरान मांग में कुछ गिरावट आई है तथापि, आधार वर्ष से जांचोत्तर अवधि में मांग में भी वृद्धि हुई है । तथापि, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के हुए आयातों में घरेलू उद्योग की बिक्री में हुई वृद्धि की तुलना में अधिक वृद्धि हुई है । वस्तुतः संबद्ध देशों से हुए आयातों में मांग में हुई वृद्धि से भी काफी अधिक बढ़ोत्तरी हुई है । संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण कीमत में भारी कटौती हुई है और प्रकटन विवरण में प्रदत्त रेज काफी अधिक हैं । इसके अलावा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण सकारात्मक कम कीमत पर बिक्री मार्जिन है जिसका भी उल्लेख किया गया है और जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री मार्जिन काफी अधिक है । वस्तुतः क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात के कारण कीमत हास हुआ है । परिवर्तित उत्पादन प्रौद्योगिकी के कारण उत्पादन लागत में कमी के बावजूद घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत कम रही है और घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कोई खास सुधार प्रदर्शित नहीं

हुआ है और इससे क्षति का प्रदर्शन जारी है। यह अनुरोध किया गया है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर इस बात को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि जांचोत्तर अवधि के दौरान चीन जन.गण. तथा स्विटजरलैंड से संबद्ध वस्तु के उक्त आयातों के संबंध में सकारात्मक पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन है और ये मार्जिन काफी अधिक हैं। यह उल्लेख किया गया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांचोत्तर अवधि के दौरान संबद्ध देशों से अत्यधिक कम कीमतों पर संबद्ध वस्तु का आयात जारी है और इससे इस बात की स्पष्ट पुष्टि होती है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहेगी। वर्तमान मामले में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि में पाटन और क्षति जारी रही है। घरेलू उद्योग की लाम्प्रदता अस्थिर बनी हुई है और घरेलू उद्योग की बिक्री तथा बाजार हिस्से में वृद्धि नहीं हुई है। वस्तुतः जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि में संबद्ध वस्तु के आयातों में वृद्धि जारी है। इस प्रकार विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन एवं क्षति जारी रहने की स्पष्ट सम्भावना है। अतः माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की सिफारिश कर सकते हैं।

xiii. क्षति रहित कीमत के निर्धारण से जुड़े मुददे के बारे में यह अनुरोध किया गया है कि पैकिंग, खपत योग्य वस्तुओं, उपयोगिताओं, प्रत्यक्ष श्रम, विनिर्माण, ऊपरी व्यय, प्रशासनिक ऊपरी व्यय, अनुसंधान एवं विकास, मूल्यहास, वित्तीय व्यय के मामले में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने एन पी पी ए को घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आवेदन के अनुसार लागत अपनाई है। जिसे वित्त वर्ष 2011 के लिए प्रस्तुत किया गया है और केवल कच्ची सामग्री तथा बिक्री लागत पर घरेलू उद्योग की बहियों के अनुसार विचार किया गया है। उक्त प्रकटन विवरण में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा कोई कारण नहीं बताया गया है। जहां तक लगाई गई पूँजी पर आय का संबंध है, यह अनुरोध किया गया है कि निवल अचल परिसंपत्तियों पर घरेलू उद्योग के विवरण के अनुसार विचार किया गया है, तथापि, विचाराधीन उत्पाद के लिए आवंटन माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा मूल्यहास के आधार पर किया गया है, न कि डिग्वाल के लिए उत्पादन मूल्य और महाड स्थल हेतु बिक्री मूल्य के आधार पर। यह अनुरोध किया गया है कि मूल्यहास पर एन पी पी ए आवेदन में सूचित मूल्यहास के अनुसार विचार किया गया है जो वित्त वर्ष 2011-12 के लिए है न कि जांच अवधि के लिए जो जनवरी, 2010-दिसंबर, 2010 है। यह अनुरोध किया गया है कि कार्यशील पूँजी की गणना वार्षिक रिपोर्टों में सूचित कार्यशील पूँजी के आधार पर की गई है, जो समूची कंपनी के लिए है और जिसे करोड़ रुपए में सूचित किया गया है जबकि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त गणना में उस पर त्रुटिपूर्ण ढंग से लाख रुपए में विचार किया गया है। इस प्रकार निकाली गई निवल कार्यशील पूँजी को कंपनी की कुल बिक्री के संबंध में और न कि कंपनी द्वारा प्रस्तुत स्थल विशिष्ट आधार पर विचाराधीन उत्पाद के बिक्री मूल्य के अनुसार विचाराधीन उत्पाद के लिए आवंटित किया गया है। यह अनुरोध किया गया है कि जांच अवधि के लिए उत्पादन लागत तथा घरेलू उद्योग के लिए लगाई गई पूँजी की लागत निकालने के लिए माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास चुनिदा कार्यप्रणाली एवं आवंटन अपनाने का विवेकाधिकार है।

निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

58. क्षति और सार्वजनिक हित से संबंधित मुददों पर निर्यातक के अनुरोध निम्नानुसार हैं:-

क. यह अनुरोध किया गया है कि क्षति के बारे में याचिकाकर्ता का दावा न्यायोचित नहीं है क्योंकि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में स्विटजरलैंड से भारत को हुए निर्यातों में लगभग 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने मै0 पिरामल के इस दावे का खंडन किया है कि जांच अवधि के दौरान स्विटजरलैंड से हुए आयातों की मात्रा में 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह अनुरोध किया गया है कि आयातों के कारण कोई प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।

ख. यह भी अनुरोध किया गया है कि याचिकाकर्ता की बिक्री में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है जो वर्ष 2008-09 में 14,485 से बढ़कर जांच अवधि में 20,664 हो गई है और याचिकाकर्ता की स्थिति वर्ष 2008-09 में घाटे में चलने वाली इकाई से नाटकीय ढंग से सुधरकर जांच अवधि के दौरान अत्यधिक लाभ कमाने वाली स्थिति में आ गई है।

ग. जहां तक वृद्धि का संबंध है, यह अनुरोध किया गया है कि याचिकाकर्ता ने अपनी उत्पादन क्षमता वर्ष 2008-09 में 110,000 से बढ़कर जांच अवधि में 160,000 कर ली है जिससे स्वतः यह पता चलता है कि ऐसा कोई विस्तार करने के लिए पिरामल के पास पर्याप्त निधियां और स्रोत थे। याचिकाकर्ता की वृद्धि की सम्भावना पर डी एन डी के निर्यातों का प्रभाव नहीं पड़ा है।

खास तौर पर तब जब डी एन पी का बाजार हिस्सा 2008-09 में 17 प्रतिशत से घटकर 2011 में 7 प्रतिशत (जैसा कि याचिका में दिया गया है) हो गया है।

घ. जहां तक क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का संबंध है, यह अनुरोध किया गया है कि मैं डी एन पी द्वारा भारत को उस कीमत पर निर्यात करने के लिए अपने उत्पाद की बिक्री की जा रही है जो उसकी उत्पादन लागत से काफी अधिक है। उसकी समग्र बिक्री की तुलना में भारतीय बाजार में डी एन पी की बिक्री का अनुपात नगण्य है अर्थात् लगभग 0.2 प्रतिशत है। इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि मैं डी एन पी के पास भारत को भेजने के लिए कोई बेशी क्षमता नहीं है। भारत में डी एन पी की बिक्री का अनुपात नगण्य होने के कारण पाटन और क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की दूर-दूर तक संभावना नहीं है।

ड. यह अनुरोध किसा गरा है कि स्लग्ड प्रसंस्करण डिग्गल, आंध्रप्रदेश में किया जा रहा है जो एक 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख इकाई (ई ओ यू) है और इन ई ओ यू की स्थापना मुख्यतः निर्यातों के संवर्धन के उद्देश्य से की जाती है। ऐसी इकाइयों को विभिन्न कर तथा अन्य लाभ प्रदान किए जाते हैं ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सकें। भारतीय बाजार में इसकी बिक्री के लिए संरक्षण का दावा पूर्णतः अनुरित है।

घ. यह अनुरोध किया गया है कि विटामिन ए का उपयोग पल्स पोलियो सहित विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों में पूरक के रूप में और विभिन्न कल्याणकारी रकमों के अंतर्गत प्रदत्त पूरक खाद्य के लिए भी किया जाता है। शुल्क लगाए जाने से इन उत्पादों की बाजार कीमत बढ़ती है जो सार्वजनिक कोष तथा उपयोक्ताओं के लिए नुकसानदायक होती है।

छ. प्रकटन विवरण के पश्चात् यह अनुरोध किया गया है कि क्षति के बारे में याचिकाकर्ता के दावे न्यायोचित नहीं हैं। पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान स्विट्जरलैंड से भारत को हुए निर्यातों में लगभग 25 प्रतिशत की गिरावट आई है और इस प्रकार आयातों से कोई प्रतिकूल कीमत प्रभाव नहीं पड़ा है। जहां तक पिरामल की लाभप्रदता का संबंध है, यह अनुरोध किया जाता है कि याचिकाकर्ता की स्थिति वर्ष 2008-09 में घाटे में चलने वाली इकाई से नाटकीय ढंग से सुधर कर जांच अवधि के दौरान अत्यधिक मुनाफा कमाने वाली इकाई के रूप में बन गई है। इसकी वजह यह है कि अब यह एक व्यापारी/आयातक है, न कि उत्पादक। यह भी अनुरोध किया गया है कि क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि डीएनपी भारत को अपने उत्पादों का निर्यात उस कीमत पर कर रही है जो उसकी उत्पादन लागत से काफी अधिक है। चूंकि भारत में डी एन पी की बिक्री का अनुपात नगण्य है, इसलिए पाटन और क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की दूर तक संभावना नहीं है। यह भी अनुरोध किया गया है कि जांचोत्तर अवधि के लिए पाटन मार्जिन की गणना सही नहीं है क्योंकि निर्यात कीमत में किए गए समायोजन सही नहीं हैं। यह भी अनुरोध किया गया है कि मूल जांचों में शुल्क रूपए में था और इसलिए शुल्क, यदि कोई हो, तो उसे रूपए में निर्दिष्ट शुल्क के रूप में ही जारी रखा जाए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

59. प्राधिकारी द्वारा नीचे किए गए क्षति विश्लेषण से हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों का स्वतः समाधान हो जाता है।

60. प्राधिकारी ने आयात आंकड़ों पर डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों के आधार पर विचार किया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हुआ है, गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं। जहां तक पाटनरोपी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए अन्य तर्कों का संबंध है, इन पर उचित शीर्षकों में कार्रवाई की गई है। जहां तक प्रकटन विवरण के बाद विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई इत्यरियों का संबंध है, उनका आगामी पैराग्राफों में विश्लेषण किया गया है और क्षति जांच के बारे में निष्कर्ष उचित शीर्षकों में दिया गया है। जहां तक सूचना के प्रकटन और संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की गणना का संबंध है, यह उल्लेख किया जाता है कि इसका निर्धारण पाटनरोपी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार ही किया गया है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के निर्धारण से संबंधित सूचना के प्रकटन के बारे में यह उल्लेख किया जाता है कि प्रकटन विवरण के पश्चात् क्षति रहित कीमत की कार्यप्रणाली सहित उसकी विस्तृत व्याप्ति कला अनुबंध-IV घरेलू उद्योग को प्रदान किया गया है। आगे यह उल्लेख किया जाता है कि प्राधिकारी ने क्षति छोड़ कीमत के निर्धारण हेतु कपमी द्वारा सतत रूप से रखे जा रहे लागत रिकॉर्डों को अपनाया है। इस संबंध में कंपनी द्वारा एक अग्रणी संविदेश प्राधिकरण अर्थात् एस्ट्रीय बेक्ज कीमत विधारण प्राधिकरण (एन पी पी ए) की प्रस्तुत सूचना पर भी प्राधिकारी ने विचार

किया था क्योंकि यांचिकाकर्ता कंपनी ने उसकी प्रणाली में परिवर्तनों के मददेनजर जांच अवधि के लिए अपेक्षित सूचना प्रस्तुत करने में असमर्थता व्यक्त की थी ।

मांग का निर्धारण और बाजार हिस्सा

61. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू विक्री और भारत में समस्त स्रोतों से हुए संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा के रूप में किया है । इस प्रकार निर्धारण मांग को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है । यह देखा जाता है कि जांच अवधि में देश में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि हुई है । यद्यपि, जांच अवधि से जांचोत्तर अवधि के दौरान मांग में कुछ गिरावट आई है, तथापि मांग में आधार वर्ष से जांचोत्तर अवधि में भी वृद्धि हुई है । संबद्ध वस्तु की मांग का निर्धारण करते समय स्विटजरलैंड से हुए आयात निर्यातक की सूचना से लिए गए हैं जिसमें डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में प्रदत्त मात्रा से अधिक मात्रा का पता चलता है ।

निर्धारित मांग	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि - जनवरी'11 - दिसंबर'11	जनवरी'12-जून'12 (जांचोत्तर अवधि - वास्तविक)	जनवरी'12-जून'12 (जांचोत्तर अवधि - वार्षिकीकृत)
घरेलू विक्री (किग्रा.)	14,483	18,917	16,289	20,563	8,183	16,366
संबद्ध देशों से आयात (किग्रा.)	21,183	20,107	20,517	34,464	12,342	24,684
चीन (किग्रा.)	16,650	15,113	12,204	28,059	6,240	12,480
स्विटजरलैंड (किग्रा.)	4,533	4,994	8,313	6,405	6,102	12,204
अन्य देशों से आयात (किग्रा.)	12,832	16,015	14,402	13,637	5,201	10,402
कुल मांग (किग्रा.)	48,498	55,039	51,208	68,664	25,726	51,452

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग क्षति अवधि के आधार वर्ष में 48498 किग्रा. से बढ़कर जांच अवधि में 68644 किग्रा. हो गई है ।

पाटित आयातों का मात्रात्वक प्रभाव

आयात मात्रा

62. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बत्त पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है । उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा की प्रवृत्तियां निम्नानुसार हैं :-

(इकाई किग्रा. में)

क्र. सं.		2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जनवरी'12- जून'12 (जांचोत्तर अवधि - वास्तविक)	जनवरी'12- जून'12 (जांचोत्तर अवधि - वार्षिकीकृत)
1	चीन	16,650	15,113	12,204	28,059	6,240	12,480
2	स्विटजरलैंड	4,533	4,994	8,313	6,405	6,102	12,204
3	अन्य देश	21,183	20,107	20,517	34,464	12,342	24,684
4	अन्य देश	12,832	16,015	14,402	13,637	5,201	10,402

5 कुल आयात	34,815	36,122	34,919	48,101	17,543	35,086
--------------	--------	--------	--------	--------	--------	--------

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से हुए आयात में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि इस अवधि के दौरान पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है।

64. संबद्ध देश के आयातों और घरेलू उद्योग की वास्तविक बिक्री के आधार पर संबद्ध देशों से हुए आयातों का संबंधित हिस्से, अन्य देशों से हुए आयातों के हिस्से और कुल मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से का सारांश निम्नानुसार है :-

क्रियान्वयन	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जनवरी 12- जून 12 (जांयोत्तर अवधि - वार्तविक)
घरेलू उद्योग	%	30	34	32	31	32
संबद्ध देश	%	44	37	40	49	48
चीन	%	34	27	24	42	24
स्विटजरलैंड	%	9	9	16	7	24
अमेरिका	%	26	29	28	20	20
कुल		100	100	100	100	100

उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से हुए आयातों का हिस्सा आधार वर्ष में 44 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि में 49 प्रतिशत हो गया है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कोई अस्पष्ट परिवर्तन नहीं हुआ है जबकि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान अन्य देशों से बाजार हिस्से में गिरावट आई है।

कीमत प्रभाव

65. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, नियमावली के अनुबंध II (ii) में निम्नानुसार निर्धारित है :

“नियम 18 के उप-नियम (2) में व्यापारिलिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की जा रही है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक मात्रा में कमी करना है या ऐसी कीमत को रोकना है जो अस्थिर पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।”

66. किसी समीक्षा जांच में प्राधिकारी जो इस बात की जांच करनी अपेक्षित होती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों का अत्यधिक कीमत प्रभाव पड़ा है अथवा क्या शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में कीमत प्रभाव की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

67. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में भारी कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा काफी हद तक गिरावट आई है अथवा कीमत में होने वाली वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती। घरेलू बाजार पर आयातों के प्रभाव का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान आयात कीमतों पर विचार करते हुए शुल्क और उस पर उपकर के साथ भारित औसत सी आई एफ आयात कीमत पर विचार करते हुए किया गया है।

६९. **कीमत कटौती :** यह निर्धारण करने के लिए कि क्या संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही थी, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल विक्री प्राप्ति (कारखाना स्तर पर) की तुलना निम्नलिखित तालिका में आयातों की पहुंच कीमत के साथ की है :

विवरण	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
आयातों का पहुंच मूल्य रु० प्रति किग्रा० में				
चीन जन.गण.	***	***	***	***
स्विटजरलैंड	***	***	***	***
घरेलू उद्योग की निवल विक्री कीमत रु. प्रति किग्रा० में				
निवल विक्री प्राप्ति	***	***	***	***
कीमत कटौती रु./किग्रा. में				
चीन जन.गण.	***	***	***	***
स्विटजरलैंड	***	***	***	***
कीमत कटौती %				
चीन जन.गण.	***	***	***	***
स्विटजरलैंड	***	***	***	***
कीमत कटौती रेंज				
चीन जन.गण.	20-30%	15-25%	15-25%	20-30%
स्विटजरलैंड	15-25%	15-25%	20-30%	10-20%

६९. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के बिना संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा कीमत में की गई कटौती काफी अधिक है ।

कम कीमत पर विक्री, कीमत छास और कीमत न्यूनीकरण

७०. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात के कारण कम कीमत पर विक्री का मार्जिन सकारात्मक है, जिसका नीचे उल्लेख किया गया है । जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर विक्री मार्जिन काफी अधिक है । क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात के कारण कीमत छास हुआ है । जहां तक कीमत न्यूनीकरण का संबंध है, इस मामले में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता क्योंकि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और विनिर्माण प्रक्रिया में भारी परिवर्तन हुआ है और उत्पादन लागत तथा निवल विक्री प्राप्ति हेतु जांच अवधि के लिए आंकड़े तुलनीय ही नहीं हैं ।

• कम कीमत पर विक्री	
विवरण	जांच अवधि
आयातों का पहुंच मूल्य रु. प्रति किग्रा. में	
चीन जन.गण	***
स्विटजरलैंड	***
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत रु. प्रति किग्रा. में	
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत रु. प्रति किग्रा. में	***
कम कीमत पर विक्री रु./किग्रा. में	

चीन जन.गण.	***
स्थिटजरलैंड	***
कम कीमत पर बिक्री रु./किग्रा. में %	
चीन जन.गण.	***
स्थिटजरलैंड	***
चीन जन.गण.	15-25 %
स्थिटजरलैंड	6-16 %

धरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

71. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति निर्धारण में संबद्ध वस्तु के धरेलू उत्पादकों पर पाइते आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इसके अलावा, नियमावली के अनुबंध II(iv) में निम्नानुसार निर्धारित है-

‘संबंधित धरेलू उद्योग पर पाइते आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग से स्थानांतरिक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; धरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।’

72. इस संबंध में प्राधिकारी ने क्षति अवधि और जांच अवधि के दोरान धरेलू उद्योग के निधादन का विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा जांचोत्तर अवधि के लिए संगत मापदंडों के बारे में अपेक्षित विश्लेषण भी किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि में धरेलू उद्योग मूल चरण से संबद्ध वस्तु का विनिर्माण कर रहा था। संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु अपेक्षित सुविधाएं थाएं, महाराष्ट्र रिथ्त उसके संयंत्र में अवधित थीं। कंपनी द्वारा *** तक थाएं, महाराष्ट्र में विनिर्माण सुविधाओं का प्रचालन किया गया था। दाद में उन्होंने संबद्ध वस्तु का उत्पादन वहां से हटाकर डिगवाल (आंध्र प्रदेश) में करना शुरू कर दिया। हालांकि थाएं इकाई में कंपनी मूल चरण से संबद्ध वस्तु का विनिर्माण कर रही थी तथापि, कंपनी द्वारा डिगवाल रिथ्त नई सुविधाओं में माध्यमिक चरण पर विटामिन ए पामीटेट का विनिर्माण किया जा रहा था। तदनुसार, डिगवाल रिथ्त नई इकाई में विटामिन ए पामीटेट का विनिर्माण विटामिन ए एसिटेट के स्तर से किया जा रहा था। जांच अवधि डिगवाल रिथ्त इकाई में संबद्ध वस्तु के वाणिज्यिक उत्पादक का प्रथम रैंक था। क्षति अवधि और जांच अवधि के दोरान संबद्ध वस्तु की विनिर्माण प्रविध्या में परिवर्तन के भद्रदेशजर प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु लागत सरचना में भारी परिवर्तन नोट किया। इस बात को ध्यान में रखते हुए कुछेक क्षति मापदंडों से संबंधित प्रवृत्तियां तुलनीय नहीं हैं क्योंकि प्राधिकारी ने इन्हें समान-दर-समान आधार पर होना नहीं पाया था।

पाटनरोधी नियमों में की गई अपेक्षानुसार समरत संगत मापदंडों के संबंध में प्रवृत्ति के विश्लेषण का ब्यौरा निम्नानुसार है :

उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग, बिक्री लागत आदि

73. धरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री प्राप्ति लागत तथा लगभग रो से संबंधित सूचना निम्नानुसार रही है-

क्र. सं.	विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
1.	संबद्ध उत्पाद हेतु क्षमता	किंग्रा.	1,10,000	1,10,000	85,000	1,20,000
2.	कुल उत्पादन	किंग्रा.	35,367	39,977	37,895	75,051
3.	क्षमता उपयोग	%	32%	36%	45%	63%
4.	बिक्री की लागत	रु./किंग्रा.	***	***	***	***
5.		सूचीबद्ध	100	97	133	91
6.	निवल बिक्री कीमत	रु./किंग्रा.	***	***	***	***
7.		सूचीबद्ध	100	102	98	102
8.	लाभ/(हानि)	लाख रुपए	***	***	***	***
9.		सूचीबद्ध	(100)	(79)	(444)	(6)
10.	ब्याज लागत	लाख रुपए	***	***	***	***
11.			100	1134	48	6620
12.	मूल्यहास	लाख रुपए	***	***	***	***
13.	ब्याज पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
14.	सूचीबद्ध		(100)	(61)	(451)	99
15.	नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
16.			(100)	(61)	(453)	197
17.	लगाई गई पूंजी	लाख रुपए	***	***	***	***
18.		सूचीबद्ध	100	144	79	115
19.	लगाई गई पूंजी पर आय %		***	***	***	***
20.		सूचीबद्ध	(100)	(43)	(586)	86

74. जैसा कि इन जांच परिणामों में उल्लेख किया गया है, वर्ष 2010-11 के दौरान कंपनी ने थाणे, महाराष्ट्र स्थित अपने संयंत्र में संबद्ध वस्तु का विनिर्माण किया। कंपनी द्वारा इस संयंत्र का प्रचालन *** तक किया गया था। प्राधिकारी ने उत्पादन लागत, लाभप्रदता और लगाई गई पूंजी पर आय में परिवर्तन अन्य बातों के साथ-साथ वस्तु के विनिर्माण की प्रक्रिया मूल चरण से बदलकर मध्यवर्ती चरण किए जाने के कारण नोट किए। उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान प्रचालन निष्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

रोजगार और मजदूरी

75. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद बहु स्थानी कंपनी है। घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर पर पाटन का प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ सकता। घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर की स्थिति निम्नानुसार रही है :

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
रोजगार (कर्मचारियों की संख्या)	संख्या	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	71	61	24

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। उत्पादकता

घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नलिखित तालिका में दी गई है :

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	किंग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	183	185	585

प्रति दिवस उत्पादकता	किंग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	113	46	212

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान उत्पादन में वृद्धि के अनुरूप घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है ।

मालसूची

78. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की मालसूची में स्तर की जांच की है जिसका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है :

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
अथ स्टॉक	किंग्रा.	***	***	***	***
इति स्टॉक	किंग्रा.	***	***	***	***
औसत स्टॉक	किंग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	355	322	87

79. प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा स्टॉक धारण में भारी अंतर नोट किया है । अपनी उत्पादन सुविधाएं थाए से हटाकर महाड़ ले जाने की आशा में कंपनी ने पर्याप्त स्टॉक धारित किया था । प्राधिकारी ने नोट किया है कि ये अंतर उत्पादन को एक संयंत्र से हटाकर दूसरे संयंत्र में करने और आबद्ध उपयोग हेतु घरेलू उद्योग की जरूरतों में परिवर्तन के कारण आए हैं ।

वृद्धि

80. घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मापदंडों की जांच करने के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन और बिक्री जैसे मात्रात्मक मापदंडों में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है । तथापि, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में समग्र आधार पर नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है । क्षति अवधि के दौरान अधिकांश प्रचालन मापदंडों में नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है ।

पूंजी जुटाने की क्षमता

81. घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है । निवेश को आगे और जुटाने की उसकी क्षमता को क्षति प्रदर्शित करने वाला प्रमुख कारक नहीं माना गया है । तथापि, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यदि वर्तमान स्रोतों से पाटन जारी रहेगा तो घरेलू उद्योग की पूंजी जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

82. घरेलू बाजार में कीमतों को प्रभावित कर सकने वाले पाटित आयातों से इतर कारकों का विश्लेषण करने के लिए लागत संरचना में परिवर्तन, भौगोलिक स्थितियों, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा की जांच की गई है । यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमतों के अलावा ऐसा कोई बाह्य कारक प्रतीत नहीं होता है जिससे इस समीक्षा जांच की क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव पड़ सकता है ।

पाटन की मात्रा

83. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का अत्यधिक पाटन हुआ है और प्रत्येक संबद्ध देश के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है ।

अन्य ज्ञात कारक

84. जांच अवधि के दौरान वर्तमान जांच के संबद्ध देशों से आयातों की सूचना दी गई है । तथापि, तीसरे देशों से हुए आयात भी काफी अधिक हैं । अन्य देशों से सी आई एफ आयात कीमत अधिक है ।

मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धतियों में परिवर्तन

85. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की समग्र मांग में अत्यधिक सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है । यह भी नोट किया जाता है कि प्राधिकारी की जानकारी में खपत की पद्धति में न तो कोई खास परिवर्तन नजर आया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस बारे में कोई अनुरोध किया है ।

विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके दीच प्रतिस्पर्धा

86. सबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं है। घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत के साथ प्रतिस्पर्धा करता है। घरेलू उद्योग की कीमत का निर्धारण संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, भारतीय बाजार में अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मौजूदगी काफी अधिक है।

प्रौद्योगिकी विकास और निर्यात निष्पादन

87. जाच में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं आया है जिससे यह पता चल सके कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

घरेलू उद्योग द्वारा निर्यात

88. घरेलू उद्योग के निर्यातों की मात्रा काफी कम है। इसके अलावा, वर्तमान क्षति निर्धारण के प्रशोङ्गात्मक प्रतिकारों द्वारा घरेलू एवं निर्यात बाजार में कीमत और लाभप्रदता को अलग-अलग किया गया है। अतः इस विवरण में निर्यात निष्पादन का प्राधीकरणी द्वारा किए गए क्षति विश्लेषण पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

89. याचिकाकर्ता की संबद्ध वस्तु का बिक्री कीमत औषध (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1995 द्वारा शासित होती है। इसके अधिकारी कीमत निर्धारण प्राधिकरण (एन पी पी ए), जो रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तत्त्वावधान में गठित सरकारी समिति है ने 20 अक्टूबर 2010 के आदेश सं. एस 0124(ई) के तहत विटामिन ए पार्सीटेट की कीमत 2610 रु. प्रति 1000 एम आई यू अधिसूचित की थी। तदनुसार, विटामिन ए पार्सीटेट 1.7 एम आई यू की अधिसूचित कीमत 4437 रुपए प्रति किंगम बनती है। सत्यापन के दौरान कंपनी ने यह सूचित किया कि उसने सरकार द्वारा अधिसूचित कीमत में संशोधन हेतु अब एन पी पी ए को एक आवेदन प्रस्तुत किया है। इसे वर्ष 2011-12 के लिए उसकी वास्तविक लागत पर आधारित बताया गया था। तथापि, यह मामला अभी भी एन पी पी ए के पास लंबित बताया गया था। डी पी सी ओ, 1995 के अंतर्गत संबद्ध वस्तु की कीमत में संशोधन लंबित रहने सक कंपनी के लिए सरकार द्वारा यथा-अधिसूचित कीमत का अनुपालन करना अपेक्षित था। डी पी सी ओ के अंतर्गत सरकार द्वारा यथा अधिसूचित कीमत उस अधिकारित द्वारा कीमत की द्योतक है जिसे कोई विनिर्माता उपभोक्ताओं से वसूल कर सकता है। अंदेशक के नमूलते में वास्तविक बिक्री प्राप्ति सरकार द्वारा अधिसूचित कीमत से कम नोट की गई थी। जाच अवधि के लिए कंपनी द्वारा प्रस्तुत लापान आंकड़ों के आधार पर प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उपबंधों के अनुसार घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत (एन आई पी) का नियंत्रण भी किया है। प्राधिकारी ने ***रु प्रति किंगम की यह क्षति रहित कीमत भी एन पी पी ए द्वारा अधिसूचित बतायी रामियों में कम नोट की है। चूंकि पाटनरोधी नियमावली के उपबंध के अनुसार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत डी पी सी ओ आदेश, 1995 के अनुसार कीमियों से कम नोट की गई है, इसलिए सरकार के नियंत्रणाधीन संबद्ध वस्तु की कीमियों के कारण क्षयों को कोई कमते नहीं की गई है। प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमों के अनुसार यथा-निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना में कमते रामियों के नियंत्रण हेतु संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। तदनुसार वर्तमान मामलों में यही नियंत्रण कीमानुसार बनता है।

विवरण	इकाई	चीन जन. गण.	स्विटजरलैंड
घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत	रु0 किंग्रा0 में	***	***
आयातों की पहुंच कीमत	रु0 किंग्रा0 में	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रु0 किंग्रा0 में	***	***
कम कीमत पर बिक्री %	%	***	***
कम कीमत पर बिक्री रेज		15-25	6-16

मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन एवं क्षति की पुनरावृत्ति होने की संगमना।

घरेलू उद्योग के विचार

90. घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:-

- घरेलू उद्योग जनवरी-2012 से जून-2012 तक की जांचोत्तर अवधि में यूरोपीय रांध में एक उत्पादक द्वारा की गई घरेलू बिक्री के नमूना बीजक भी प्राप्त करने में समर्थ रहा है। इसी के आधार पर इसमें स्पष्ट लाभ पर यह देखा जा सकता है कि भारत में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का पाटन जांचोत्तर अवधि में भी सारी रहा है। इस प्रकार पाटन जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की पर्याप्त पुष्टि की गई है।
- क्षति अवधि, जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि के दौरान निर्यात हुए हैं। प्राधिकारी ने जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि में हुए इन निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्धारित किया है ताकि जांच के दौरान निर्यात अत्यधिक पारित कीमियों पर हुए हैं।

- iii. पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क पर विचार नहीं किया जाएगा तो चीन जन.गण. से आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम रहने की संभावना है ।
- iv. स्विट्जरलैंड और चीन जन.गण. में निर्यातकों ने अपनी घरेलू मांग से काफी अधिक क्षमताएं निर्मित की हैं । इसकी पुष्टि स्विट्जरलैंड और चीन जन.गण. से भारी मात्रा में हुए निर्यातों द्वारा होती है जो जांचोत्तर अवधि में भी निर्बाध रूप से जारी रहे हैं ।
- v. संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों के पास बेशी उत्पादन क्षमताएं हैं और वे अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहे हैं । यह रूप स्थान दृष्टांत संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के बढ़ते हुए आयातों से मिल जाता है ।
- vi. यदि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा तो संबद्ध देशों में विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा धारित बेशी क्षमताएं भारतीय बाजार में भेज दी जाएंगी ।
- vii. संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा जिस कीमत पर विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया जा रहा है, वह घरेलू उद्योग की कीमतों से काफी कम है । इस प्रकार यदि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पर लागू पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा तो इसका परिणाम यह होगा कि उक्त उत्पादकों/निर्यातकों के लिए कम कीमत पर संबद्ध वस्तु का निर्यात जारी रखने हेतु भारतीय बाजार एक तरजीही बाजार बन जाएगा ।
- viii. घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण क्षति हुई है और संबद्ध देशों से पाटित आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उसने भारी निवेश किया है तथा उन्नत प्रौद्योगिकी प्रक्रिया की शुरुआत की है और प्रौद्योगिकी प्रक्रिया अपनाई है ताकि लागत मितव्ययी ढंग से घरेलू प्रयोक्ता उद्योग की जरूरतों को पूरा किया जा सके ।
- ix. इसके अलावा, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से घरेलू बाजार में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की भरमार हो जाएगी । तथापि, यदि संबद्ध देशों से पाटित आयातों को निर्बाध रूप से जारी रहने की अनुमति प्रदान की जाती है तो उन पर किसी पाटनरोधी शुल्क के अभाव में घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है ।
- x. जांचोत्तर अवधि में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है ।

निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

91. जहां तक पाटन एवं क्षति जारी रहने या इसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का संबंध है, यह अनुरोध किया गया है कि मैं डी एन पी द्वारा भारत को अपने उत्पादों का निर्यात जिस कीमत पर किया जा रहा है, वह उसकी उत्पादन लागत से काफी अधिक है । भारतीय बाजार में डी एन पी की बिक्री का अनुपात उसकी समग्र बिक्रियों की तुलना में अत्यंत नगण्य है अर्थात् लगभग 0.2% है । आगे यह अनुरोध किया गया है कि मैं 0 डी एन पी के पास भारत भेजने के लिए कोई बेशी क्षमता नहीं है । भारत में डीएनपी की बिक्री का अनुपात नगण्य होने के कारण पाटन और क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की दूर तक संभावना नहीं है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

92. किसी निर्णायक समीक्षा जांच में प्राधिकारी को यह निर्धारण करने के अलावा कि क्या संबद्ध वस्तु का भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश जारी है, इस बात का निर्धारण करना होता है कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों से पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तु का निर्यात किए जाने की संभावना है । प्राधिकारी के लिए आगे यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने या परिवर्तित किए जाने की स्थिति में पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है ।

93. प्राधिकारी ने जांच के दौरान विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना और साक्ष्य के आधार पर पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना की जांच की है । प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्क की जांच की है । इसके अलावा, प्राधिकारी ने जांचोत्तर अवधि की सूचना का विश्लेषण कर क्षति एवं पाटन की संभावना की जांच की है । आयातों के बारे में जांचोत्तर अवधि के आंकड़े संबद्ध देशों के सहयोगी उत्पादकों तथा निर्यातकों, डी जी सी आई एस के आंकड़ों सहित विभिन्न स्रोतों से घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना से लिए गए हैं ।

जांचोत्तर अवधि में निर्यातों की मात्रा

94. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन और पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की संभावना की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने जांचोत्तर अवधि में संबद्ध देशों से भारत में हुए संबद्ध वस्तु के निर्यातों की मात्रा का विश्लेषण किया है । आधार वर्ष की तुलना में जांचोत्तर अवधि के दौरान संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तु के आयात में वृद्धि जारी रही है । विश्लेषण निम्नानुसार है :-

(इकाई किंग्रा. में)

	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि — जन.'11 — दिस.'11	जन.'12-जून'12 (जांचोत्तर अवधि - वारस्तविक)	जन.'12-जून'12 (जांचोत्तर अवधि - वार्षिक)
संबद्ध देशों से आयात (किंग्रा.)	21,183	20,107	20,517	34,464	12,342	24,684
चीन (किंग्रा.)	16,650	15,113	12,204	28,059	6,240	12,480
रिटेलरलैंड (किंग्रा.)	4,533	4,994	8,313	6,405	6,102	12,204
अन्य देशों से आयात (किंग्रा.)	12,832	16,015	14,402	13,637	5,201	10,402

जांचोत्तर अवधि में पाटन मार्जिन

95. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन और पाटन के कारण धरेलू उद्योग को हुई क्षति की सभावना की जाच करने के लिए प्राधिकारी ने जांचोत्तर अवधि में संबद्ध देशों से भारत में हुए संबद्ध वस्तु के निर्यातों की कीमत का विश्लेषण किया है। यह नोट किया गया था कि जांचोत्तर अवधि के दौरान चीन और रिटेलरलैंड से संबद्ध वस्तु के उक्त आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन सकारात्मक है और ये मार्जिन काफी अधिक माने गए हैं। प्रकटन विवरण जारी होने के बाद यह अनुरोध किया गया है कि निर्यात कीमत में समायोजन के बारे में आंकड़े सही नहीं हैं। प्रकटन विवरण पर टिप्पणियों के बाद यह नोट किया जाता है कि जांचोत्तर अवधि के लिए निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण मैं ० डी एन पी, रिटेलरलैंड द्वारा प्रस्तुत सूचना से किया गया है।

जांचोत्तर अवधि के लिए पाटन मार्जिन

देश	उत्पादक/निर्यातक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन % रेज
		अम.डा. / किंग्रा	अम.डा. / किंग्रा.	अम.डा. / किंग्रा.		
रिटेलरलैंड	डी.एस.एम न्यूट्रीशनल उत्पाद	***	***	***	***	20-30
रिटेलरलैंड	अन्य कोई	***	***	***	***	20-30
चीन जन.राष्ट्र	समरत	***	***	***	***	10-20

धरेलू उद्योग की लाभप्रदता

96. जांचोत्तर अवधि में अर्थात् जनवरी 2012 से जून 2012 तक पाटित आयातों के कारण धरेलू उद्योग की दृष्टि की सभावना की जाव करने के लिए प्राधिकारी ने जाव अपेक्षा और जांचोत्तर अवधि के लिए धरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल रिकॉर्डिंग और लाभप्रदता का भी विश्लेषण किया है। इस बारे में प्रवृत्तिया निम्नानुसार नोट की जाती है—

इकाई	2010-11	जांच अवधि	जन.'12-जून'12 (जांचोत्तर अवधि - वारस्तविक)	जन.'12-जून'12 (जांचोत्तर अवधि - वार्षिक)
प्राप्ति की लागत	37895	75051	18540	37080
प्राप्ति की लागत	***	***	***	***

	सूचीबद्ध	100	68	73	73
निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	105	103	103
लाभ/(हानि) (रु./किग्रा.)		***	***	***	***
		(100)	(2)	(19)	(19)

97. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांचोत्तर अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि जांचोत्तर अवधि में *** माह के लिए संबद्ध वस्तु का कोई उत्पादन नहीं हुआ था। घरेलू उद्योग ने इसका कारण यह बताया था कि आबद्ध उपयोग हेतु संबद्ध वस्तु की कोई जरूरत नहीं थी। तथापि, जांचोत्तर अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वार्षिक आधार पर मामूली गिरावट आई है। इसके अलावा, जहां घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है, वहीं बिक्री प्राप्ति में गिरावट आई है। यह भी नोट किया जाता है कि जांचोत्तर अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु की बिक्री पर घाटा उठाया है।

आयातों का पहुंच मूल्य, निवल बिक्री प्राप्ति और क्षति रहित कीमत

98. जांचोत्तर अवधि में प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से हुए आयातों के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति तथा क्षति रहित कीमत का विश्लेषण भी किया है। यह नोट किया जाता है कि आयातों की पहुंच कीमत चीन जन.गण. और रिवटजरलैंड से हुए आयातों के संबंध में निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम रही है जिससे कीमतों में भारी सकारात्मक कटौती का पता चलता है। चीन जन.गण. और रिवटजरलैंड से आयातों के संबंध में कम कीमत पर बिक्री मार्जिन भी अत्यधिक है।

जांचोत्तर अवधि के दौरान कीमत कटौती

विवरण	इकाई	जन.'12-जून'12 (जांचोत्तर अवधि - वास्तविक)
निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***
पहुंच कीमत-चीन जन.गण.	रु./किग्रा.	***
पहुंच कीमत-स्विटजरलैंड	रु./किग्रा.	***
कीमत कटौती-चीन	रु./किग्रा.	***
कीमत कटौती- स्विटजरलैंड	रु./किग्रा.	***
चीन जन.गण.	%	***
रिवटजरलैंड	%	***
चीन जन.गण.	रेंज	5-15%
स्विटजरलैंड	रेंज	5-15%

जांचोत्तर अवधि में क्षति मार्जिन

विवरण	इकाई	जन.'12-जून'12 (जांचोत्तर अवधि - वास्तविक)
क्षति रहित कीमत	रु./किग्रा.	***
पहुंच कीमत-चीन जन.गण.	रु./किग्रा.	***
पहुंच कीमत-स्विटजरलैंड	रु./किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री-चीन	रु./किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री - स्विटजरलैंड	रु./किग्रा.	***
चीन जन.गण.	%	***

स्विटजरलैंड	%	***
चीन जन.गण.	रेंज	5 to 15%
स्विटजरलैंड	रेंज	10 to 20%

शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के बारे में निष्कर्ष

99. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि, दोनों के दौरान चीन जन.गण. और स्विटजरलैंड से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन सकारात्मक है। इस प्रकार, वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पाटन जारी रहने की संभावना है। जहां तक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि, दोनों के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण कीमत प्रभाव अर्थात् कीमत कटौती और कम कीमत पर विक्री सकारात्मक और अत्यधिक है। जहां तक घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से पाटित संबद्ध वस्तु के प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि समीक्षा जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा काफी कम रहा है जबकि इसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का प्रचालन निष्पादन निराशाजनक रहा है और जांचोत्तर अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को घाटा हुआ है। इसके अलावा, जांच अवधि और जांचोत्तर अवधि के दौरान दोनों संबद्ध देशों के लिए क्षति मार्जिन अर्थात् सकारात्मक है। अतः इस बात की पुष्टि की जाती है कि संबद्ध देशों से पाटनरोधी शुल्क वापस लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा यद्यपि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने अपने निष्पादन में मामूली सुधार किया है और इसीलिए यदि संबद्ध देशों से वर्तमान पाटनरोधी शुल्क वापस लिया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

भारतीय उद्योग का हित

100. प्रकटन विवरण के पश्चात् निर्यातक ने यह अनुरोध किया है कि इस मामले में पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना सार्वजनिक हित के विरुद्ध है। इस संबंध में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम, विटामिन एंजल्स और कई भारतीय एन.जी.ओ के साथ अपनी भागीदारियों का उल्लेख किया है। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यता एंस पाटन को समाप्त करना है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहा है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करता है जो देश के सामान्य हित में है।

101. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत ज्तर प्रभायित हो सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कभी नहीं आएगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लाभू किए जाने से पाटन के व्यवहारों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपग्रेडेटों के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी।

102. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिवधित नहीं होंगे और इसलिए उपग्रेडेटों हेतु उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अंतिम प्रावधान

निष्कर्ष

103. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा उपर्युक्त जांच परिणामों में दर्ज किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और पाटन तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति जारी रहने तथा पाटन एवं क्षति जारी रहने की संभावना की स्थिति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी निष्कर्ष गिकालते हैं कि

(i) संबद्ध देशों से भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और पाटन मार्जिन अत्यधिक है। यह मीं देखा जाता है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात पाटित कीमतों पर जारी है और मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में इसके जारी रहने की संभावना है।

(ii) यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क के बिना संबद्ध देशों से कीमत कटौती और कम कीमत पर विक्री की मात्रा काफी अधिक है। यह भी निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देशों से पाटनरोधी शुल्क वापस लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा यद्यपि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने अपने निष्पादन में मामूली सुधार किया है तथापि, खासकर जांच अवधि के बाद घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक बनी हुई है और इसीलिए यदि संबद्ध देशों से वर्तमान पाटनरोधी शुल्क वापस लिया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

(iii) अतः पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाना और उसमें संशोधन करना अपेक्षित है।

104. प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध वरतु के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन उपर्युक्त पैसाग्राफों में दर्शाया गया है। प्राधिकारी पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का प्रताव करते हैं जिसे यदि उदग्रहीत किया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ की गई है।

105. जहां तक शुल्क संरचना का संबंध है, गामले की तथ्यात्मक विधय वरतु को ध्यान में रखते हुए और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना तथा किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए, इस गामले में निश्चित शुल्क संरचना की सिफारिश करना उचित समझा जाता है। तदनुसार, प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वरतु पर निम्नलिखित शुल्क तालिका में यथासंशोधित पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से लागू रखने के बारे में केन्द्र सरकार को सिफारिश करना उचित समझते हैं। इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर शभी शुल्क शामिल होंगे। संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वरतु के लिए पाटनरोधी शुल्क की राशि का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:—

क्र.सं.	उप-शीर्ष	वस्तु विवरण	विनिर्देशन	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	293621	विटामिन—ए पामीटेट	कोई स्विट्जरलैंड	कोई	चीन जन. गण. से इतर कोई	उपरोक्त से इतर कोई	कोई प्रोडक्ट्स, एजी स्विट्जरलैंड, इंडियन प्रालिलो का एक प्रभाग	7.34	किग्रा०	अम० डा०
2	वही	वही	कोई स्विट्जरलैंड	कोई	चीन जन. गण. से इतर कोई	उपरोक्त से इतर कोई	कोई	8.92	किग्रा०	अम० डा०
3	वही	वही	कोई स्विट्जरलैंड	कोई	चीन जन. गण. से इतर कोई	कोई	कोई	8.92	किग्रा०	अम० डा०
4	वही	वही	कोई स्विट्जरलैंड	कोई	चीन जन. गण. से इतर कोई	कोई	कोई	15.37	किग्रा०	अम० डा०
5	वही	वही	कोई	कोई	चीन जन. गण.	कोई	कोई	15.37	किग्रा०	अम० डा०

106. केन्द्र सरकार के इस आदेश के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और रोवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

107. प्राधिकारी अधिनियम के संगत उपबंधों और समय-समय पर इस बारे में जारी सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार इसमें समय-समय पर यथा-संस्तुत उपायों को जारी रखने, संशोधन करने अथवा निश्चयात्मक उपायों को समाप्त करने की समीक्षा कर सकते हैं। प्राधिकारी द्वारा ऐसी किसी समीक्षा के लिए कोई अनुरोध तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि इसे इस प्रयोजनार्थ निर्धारित समय सीमा के भीतर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा दायर न किया गया हो।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)
NOTIFICATION

New Delhi, the 21st August, 2013

Subject: Sunset Review of Anti dumping investigation concerning imports of Vitamin-A Palmitate originating in or exported from China PR and Switzerland- Final Findings

F. No. 15/07/2011-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

A. BACKGROUND

2. Whereas the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the AD Rules); initiated an anti-dumping investigation in respect of the imports of the Vitamin-A Palmitate (hereinafter also referred to as subject goods), originating in or exported from China PR and Switzerland (hereinafter also referred to as subject countries); vide Notification No. 14/11/2005-DGAD dated 23rd March, 2006. The Authority issued the preliminary findings vide Notification No. 14/11/2005-DGAD dated 20th February, 2007 recommending provisional duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, and the Department of Revenue imposed the provisional duty vide Notification No. 47/2007-Customs dated 28th March, 2007. The Authority issued the final findings on 14th September 2007 recommending definitive duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries and the Department of Revenue imposed the definitive duties vide Notification No. 112/2007-Customs dated 30th October, 2007. This definitive duty was made effective from 28.3.2007 i.e., the date of the imposition of the provisional duty.

3. M/s. DSM Nutritional Product Ltd, having its registered office in Switzerland, filed an appeal before the Central Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) New Delhi, under Section 9(C) of the Custom Tariff Act 1995. The Hon'ble CESTAT, New Delhi, vide its order dated 11.08.2011, disposed the petition. The operative part of the said order, inter alia, is as follows:

“15. Accordingly we allow these appeals by remand to the DA for affording post-decisional hearing to the appellants and for making such modifications to the final findings as may be necessary as a result of such post-decisional hearing. The respondent-domestic industry and other interested parties, if any, shall also be allowed to participate in such post-decisional hearing. Any modifications made in the final findings would be considered by giving effect to the same by the Government by carrying out the necessary amendments to the impugned notifications imposing anti-dumping duty. This process shall be completed within 6 months from the date of this order and status quo shall be maintained-meanwhile. Since we are allowing these appeals by remand, the related stay petitions, MAs and COs stand disposed off.”

4. In compliance with the said orders of the CESTAT and without prejudice to the rights of the Designated Authority to challenge the said orders dated 11th August, 2011 of Hon'ble CESTAT on the matters of law and principle, the Authority held a post decisional oral hearing for the known interested parties on 13th December, 2011. The Authority confirmed the recommendation of duties by issuance of the CESTAT Remanded Post Decisional Hearing Findings vide dated 10th February, 2012.

5. The Authority received a duly substantiated application from M/s. Piramal Healthcare Ltd. (“The Applicant/Petitioner”), who is a producer of subject goods requesting the Authority to undertake a Sunset Review of the anti dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from subject countries.

6. Having satisfied that the applicant has provided sufficient positive information substantiating the need for a review, the Authority initiated the Sunset review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of the subject goods originating in or exported from the subject country vide Notification No.15/7/2011-DGAD dated 23rd March, 2012 in accordance with Section 9A (5) of the Act, read with

Rule 23 of the AD Rules. Following a request from the Designated Authority, the Central Government accorded permission for extension of time up to 21st August, 2013 for completing the subject investigation and notifying the final findings.

GENERAL PROCEDURE

7. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - (i) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known producers and/or exporters in the subject countries and provided them opportunity to provide relevant information and make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2).
 - (ii) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and/or consumers of subject goods in India and advised them to provide relevant information and make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
 - (iii) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known producers and/or exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also made available for other interested parties, on request.
 - (iv) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the Embassies of subject countries, including known exporters/producers in accordance with the Rule 6(4). However only one producer and exporter from Switzerland and its subsidiary in Singapore has submitted the response to the exporter's questionnaire.
 1. DSM Nutritional products, Switzerland (DNP).
 2. DSM Singapore Industrial Pte. Ltd. (DSI), Singapore trading as DSM Nutritional products Asia pacific (DNPAP).
 - (v) Questionnaire was sent to known importers or user for providing necessary information in accordance with Rule 6(4). The Authority provided opportunity to the industrial users of the product under consideration, to furnish information considered relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. However only one of the importers namely M/s. K. Sevantilal & Co has filed response to the questionnaire. A letter has been received after the public hearing from another importer M/s Softesule Pvt Ltd, Mumbai. This importer has not submitted any response to the importers questionnaire. However the arguments made by M/s. Softesule Pvt Ltd, Mumbai have been taken into account by the Authority in this final findings.
 - (vi) The Authority held a public hearing on 27th November, 2012 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally, which was attended by responding producer and Exporter from subject country, responding importer and the petitioner representing the domestic industry. The parties attending the public hearing were advised to file written submissions of the information presented orally. The Designated Authority has considered these written submissions received from interested parties.
 - (vii) Arguments raised and information/evidence provided by domestic industry during the course of the investigation, to that extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, has been appropriately considered by the Authority in this final findings.
 - (viii) The Authority during the course of investigation satisfied itself as to the accuracy of the information supplied upon which these findings are based. For that purpose, the Authority conducted on-the-spot verification of the domestic industry to the extent considered relevant and necessary. Additional/supplementary details regarding injury were sought from the domestic industry, which were also received.
 - (ix) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same would be considered in Final Findings.

- (x) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by domestic industry through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- (xi) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Annexure III of the anti dumping rules and the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- (xii) *** represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits.
- (xiii) The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is 1st January 2011 to 31st December 2011 (12 months). However, injury analysis covers the years 2008-09, 2009-10, 2010-11 & POI. The data beyond period of investigation has also been examined to determine likelihood of dumping and injury.
- (xiv) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded findings on the basis of the facts available.
- (xv) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

8. The product under consideration in the present investigation is Vitamin A Palmitate which covers Vitamin A Palmitate 1.7 MIU/gm and Vitamin A Palmitate 1.0 MIU/gm in all its strengths and forms (referred to as subject goods in the present investigation) originating in or exported from Switzerland and China PR (referred to as subject countries in the present investigation).

Views of Domestic Industry

9. The Domestic Industry has made the following Submissions:

- i. The domestic industry, in its submissions, has submitted that "Vitamin A Palmitate" is available in various strengths viz., Vitamin A Palmitate 1.7 and Vitamin A Palmitate 1.0. As Vitamin A Palmitates of various strengths have the same end use, the present investigations should continue to cover the subject goods in all its strengths and forms, as these grades can be used interchangeably by the user industry. It has been argued that availability of higher strength at lower prices proportionately reduces the per unit price of lower strength and as such the user prefers to buy higher strength in order to reduce its cost. Hence, the Authority should continue the imposition of anti dumping duty on Vitamin A Palmitate of various strengths viz., Vitamin A Palmitate 1.7 and Vitamin A Palmitate 1.0.
- ii. This issue has already been settled and confirmed by this Authority in the final findings in the original investigation covering the subject goods imported or originating from Switzerland and China PR, and the CESTAT REMAND POST-DECISIONAL FINDINGS dated 10th February, 2012 concluded thereafter.
- iii. The present investigation is for the review, enhancement and continuance of anti dumping duty in force against dumping of Vitamin A Palmitate in the Indian market by the producers and/or exporters of Switzerland and China PR.
- iv. Being a review investigation, product under consideration should be considered the same as has been in the original investigation
- v. The claim of DSM Nutritional Products ("DNP") that Vitamin A Palmitate and Vitamin A Acetate are *like article* is false and they cannot be used interchangeably. Vitamin A Acetate 2.8 MIU is the raw material for the manufacture of the subject goods and is not a "like article". The technical and physical properties of the subject goods and Vitamin A Acetate are distinct and dissimilar and cannot be directly substituted with Vitamin A Acetate as claimed by the Exporter. Further, the manufacture of the subject goods involves a complex chemical reaction with a series of processes that is undertaken on Vitamin A Acetate crystals incurring a substantial value addition to the raw material, i.e., Vitamin A Acetate and employment of labour and technology.
- vi. When an intermediate input is converted in to a final product, through a chemical process, the process of conversion does constitute manufacturing and the two cannot constitute like articles. Moreover, change in

the route/technology/process of production does not disentitle a domestic producer from the status of domestic industry, as long as it is engaged in the production and supply of the subject goods.

vii. A product which is penultimate stage in the manufacture of the subject goods cannot be construed as a 'like article' and import of the same does not disentitle the producer from being defined as "Domestic Industry"

viii. The product under consideration in the present investigation is Vitamin A Palmitate. The complete description of the product including nomenclature, formula, description, grades, uses, packing, transport, classification, handling etc. in respect of the product under consideration being imported from the subject countries is already examined by the Designated Authority in the original investigation and the relevant information is on record of the Designated Authority.

ix. Vitamin A Palmitate is a pale yellow to light orange or reddish yellow oily liquid, which may crystallize below 20 C. It contains a mixture of Vitamin A Palmitate and Vitamin A Acetate, having a content of not less than 90% Vitamin A Palmitate and not more than 10% Vitamin A Acetate. Vitamin A Acetate is present on account of the chemical process of manufacture. It may contain antioxidants like BHA, BHT or Tocopherol as added substances for stabilization. Vitamin-A Palmitate is produced in various concentrations/potencies, primarily as 1.7 MIU/Gm and 1.0 MIU/Gm, which are used in pharmaceutical, cosmetic and food supplement applications.

x. There is no known difference in subject goods exported from Switzerland and China PR and the subject goods produced by the petitioner company. The goods produced by the domestic industry are *like article* to the goods imported from Switzerland and China PR. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc.

xi. The goods produced by the domestic industry are like article within the meaning of anti dumping Rules.

xii. Post disclosure, the domestic industry has reiterated its submissions on the issue of PUC, like article and domestic industry. It has been submitted that the claim of DNP that Vitamin A Palmitate 1.7 MIU and Vitamin A Acetate are "like article" and can be used interchangeably is false and erroneous and is liable to be rejected outright. It has been reiterated that the manufacture of the Product under Consideration involves a substantial value addition to the raw material i.e. Vitamin A Acetate crystals. It has been submitted that there is a complex chemical reaction with a series of processes that is undertaken on Vitamin A Acetate crystals for the manufacture of the Product under Consideration involving a substantial value addition and employment of labour and technology.

Views of Exporters, Importers and Other Interested Parties

10. The Exporter from Switzerland DNP has made the following Submissions:

i. The petitioner undertakes minimal operations in India, which do not result in any substantial transformation in the goods, as evidenced by a change in the tariff heading.

ii. Both Vitamin -A Palmitate and Vitamin -A Acetate fall under heading 2936 21 00 of the Harmonised System Nomenclature. Conversion from one derivative to another does not take the article, into a new heading nor constitutes a substantial transformation.

iii. Vitamin A Acetate and Palmitate, are just protected and stabilized forms of the same active ingredient, Retinol. Both forms are readily converted in the human body to Retinol by naturally occurring enzymes without any need for further components and have practically the same bioavailability, bio potency, and beneficial effects.

iv. They are both Retinol esters just using different acid components to protect and stabilize Retinol.

v. Post disclosure, the exporter has reiterated its submissions on the issue of PUC, like article and domestic industry status.

11. No other the importers, consumers, exporters or other interested parties have filed any comment or submissions with regard to product under consideration, like articles and scope of the present investigations.

Examination by Authority

12. The product under consideration in the present investigation is Vitamin A Palmitate which covers Vitamin A Palmitate 1.7MIU/gm and Vitamin A Palmitate 1.0 MIU/gm in all its strengths and forms originating in or exported from Switzerland and China PR. As noted in the earlier investigation Vitamin A Palmitate 1.0 MIU/Gm and Vitamin A Palmitate 1.7 MIU/Gm are product subtypes having same end use, differing only in concentration. Therefore, duty on Vitamin A Palmitate 1.7 MIU/gm could lead to evasion of duty through import of Vitamin A Palmitate 1.0 MIU/gm which has same end use. Whereas Vitamin A Palmitate 1.6 MIU gm has a totally different end use for animal feed and hence does not fall within the

scope of the product under consideration. The product under consideration is the same as considered in the original investigation.

13. The product is classified under heading No. 293621.00 in Chapter 29 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act and ITC HS Classification. This classification however, is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

14. It is noted that in the original investigation, the scope of the Product under Consideration was concluded as follows

15. In view of the above the Authority holds that the product under consideration has been correctly defined as Vitamin A Palmitate, which would cover both 1.7 MIU and 1.0 MIU. However, the product under consideration would not cover 1.6 MIU as it has been clarified to be a different product with a different end use. Accordingly, the product under consideration is defined as Vitamin A Palmitate, which covers Vitamin A Palmitate 1.7MIU/gm and Vitamin A Palmitate 1.0 MIU/gm (hereinafter termed as the "subject goods") in all its strengths and forms.

16. It is noted that the Domestic Industry had shut down operations at its earlier plant in Thane, Maharashtra with effect from *** and shift the operations to another plant which is situated at Digwal, Andhra Pradesh. With effect from *** commercial production of the Product under Consideration from the new plant has resumed.

16. It is recalled that in the Final Findings in the CESTAT REMAND POST-DECISIONAL FINDINGS dated 10th February, 2012, the Designated Authority held that :

"...On the one hand, the opposite interested parties argue that Vitamin A Palmitate and Vitamin A Acetate are like articles and at the same time allege that Nicholas Piramal is not a domestic industry as they are presently engaged in converting Vitamin A Acetate into Vitamin A Palmitate. The Authority notes that when an intermediate input is converted into a final product, through a chemical process, the process of conversion does constitute manufacturing and the two cannot constitute like articles. Moreover, change in the route/technology/process of production does not divest a domestic producer from the status of domestic industry, as long as it is engaged in the production and supply of the subject goods."

17. It is noted that Vitamin A Acetate 2.8 MIU is the raw material for the manufacture of the subject goods and is not a "like article". The technical and physical properties of the subject goods and Vitamin A Acetate are distinct and dissimilar and cannot be directly substituted with Vitamin A Acetate as claimed by the Exporter. Further, the manufacture of the subject goods involves a complex chemical reaction with a series of processes that is undertaken on Vitamin A Acetate crystals incurring a significant value addition to the raw material, i.e., Vitamin A Acetate.

18. Having regard to the evidence of record and the scope in the earlier final findings, the Authority considers it appropriate to keep the scope of the product under consideration to the same as was kept before. The Authority therefore has therefore defined the product under consideration as Vitamin A Palmitate which covers Vitamin A Palmitate 1.7MIU/gm and Vitamin A Palmitate 1.0 MIU/gm in all its strengths and forms.

19. In order to determine whether goods produced by the domestic industry can be considered like article to the goods produced and/or exported from the subject countries, it is noted that the issue has earlier been examined by the Authority in the original findings. The Authority, on the basis of the examination, again holds that the material produced by the domestic industry is like article to the goods imported from the subject countries within the meaning of the Anti-dumping Rules.

DOMESTIC INDUSTRY

Views of Domestic Industry

The Domestic industry made following submissions regarding standing and status of domestic industry:

20. The application has been filed by M/s Piramal Enterprises Ltd ("M/s Nicolas Piramal India Ltd." as it was known during the original investigation). The applicant is the sole known producer of subject goods in India and accounts for complete production of subject goods in India. The petitioner, therefore, satisfies the standing to file the present petition and constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.

21. The Domestic Industry had shut down operations in its earlier plant in Thane, Maharashtra with effect from *** in order to shift the operations to another plant which is situated at Digwal, Andhra Pradesh. With effect from *** commercial production of the Product under Consideration at the new plant has resumed.

22. Primarily, these further streamlining changes to the plant and processes were made to continue serving the Indian consumers which also consists of International Agencies such as the UNICEF in their Indian

programs and also safeguard the Domestic Industry against the dumped imports which continue unabated from the subject countries.

23. The Applicant presently continues to be the sole producer of Product under Consideration in India and accounts for complete production of subject goods in India. Hence, M/s Piramal Enterprises Ltd. is the "Domestic Industry" for the Product under Consideration in India.
24. Change in the route/technology/process of production does not disentitle a domestic producer from the status of domestic industry, as long as it is engaged in the production and supply of the subject goods.
25. There is a complex chemical reaction with a series of processes that is undertaken on Vitamin A Acetate crystals, i.e. the imported raw material for the manufacture of the Product under Consideration involving a substantial value addition and employment of labour and technology. The raw material and the subject goods are not like articles. Hence, the Petitioner is not an importer but continues to be the Domestic Industry.
26. The mere fact that the activity is carried out in an EOU facility does not adversely affect the status of the Petitioner as "domestic industry". The clearances made by the Petitioner to the Domestic Tariff Area are not restricted or contingent on the exports of the Product under Consideration and are treated as excise-paid domestic sales and not as imports, as the case would have been if they were not domestic goods.
27. Post disclosure, on the issue of domestic producer being 100% unit, it has been reiterated that the Petitioner is a multi-product company and the facility at Digwal is an EOU, wherein the unit for the manufacture of the Product under Consideration is undertaken. The clearance made by M/s Piramal Enterprises made to the Domestic Tariff Area is not restricted or contingent on the exports of the Product under Consideration and are treated as excise-paid domestic sales not as imports, as the case would have been if they were not domestic goods.

Views of Exporters, Importers and Other Interested Parties

28. The Exporter from Switzerland M/s DNP has made the following Submissions:
 - i. Since end of 2010, that is during the review period of investigation, and thereafter, a single step conversion is being carried out. The so-called improvement in process is that the petitioner no longer carries out the production activity, in India.
 - ii. The petitioner is simply importing Vitamin A (Acetate derivative) crystals from BASF Germany / BASF Singapore, and carrying out a process of dilution to make Vitamin A (Palmitate derivative). The processing carried out is minor, and the article is already Vitamin A at the point of import.
 - iii. The petitioner undertakes minimal operations in India, which do not result in any substantial transformation in the goods, as evidenced by a change in the tariff heading. Hence, the petitioner does not satisfy the requirement of a domestic producer.
 - iv. DNP submits that as per the petition, the entire processing is being carried out in Digwal, Andhra Pradesh which is a 100% Export Oriented Unit (EOU). EOUs are set up principally with an objective to promote exports. Various tax and other benefits are extended to such units so that they can compete in the International market. The claim for protection, for its sales in the Indian market is totally unjustified. Post disclosure, the exporter has reiterated its submissions that the petitioner does not qualify as 'domestic industry'. It has been reiterated by them that at present, minimal processing is being done in India, on account of which, the petitioner no longer constitutes a domestic industry. Further, it has been submitted that because of its 100% EOU status, the petitioner is not a domestic industry, as it is not a producer of subject goods in India. The review investigations suffer from want of jurisdiction, as there is no domestic producer of subject goods in India. The petitioner is, an importer and not a producer of goods.
29. M/s. Softesule Pvt. Ltd, Mumbai has submitted that they are importers of the subject goods and if anti dumping duty is levied on the said import, local suppliers will increase their price and keeping in view the fact that there is one supplier of this product, this will affect the delivery schedules to their buyers. It has also been submitted by them that M/s DSM produces the subject goods from basic raw material while the Indian producer produces the subject goods through semi finished route. No other the importers, consumers, exporters or other interested parties have filed any comment or submissions with regard to product under consideration, like articles and scope of the present investigations.

Examination by the Authority

30. According to the Rule 2 (b), "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves

importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers only"

31. The present petition has been filed by M/s. Piramal Enterprises Ltd ("M/s. Nicolas Piramal India Ltd." as it was known during the original investigation). The applicant is the sole known producer of subject goods in India. The production of the Petitioner accounts for complete production of subject goods in India. The petitioner, therefore, accounts for "a major proportion in total Indian production".

32. It is noted that the Domestic Industry had shut down operations in its earlier plant in Thane, Maharashtra with effect from *** in order to shift the operations to another plant which is situated at Digwal, Andhra Pradesh. With effect from *** commercial production of the Product under Consideration at the new plant has resumed. There is a complex chemical reaction with a series of processes that is undertaken on Vitamin A Acetate crystals, i.e. the imported raw material for the manufacture of the Product under Consideration involving a substantial value addition and employment of labour and technology.

33. It may be recalled that in the Final Findings in the CESTAT REMAND POST-DECISIONAL FINDINGS dated 10th February, 2012, the Designated Authority held that :

"iii... The Authority notes that when an intermediate input is converted into a final product, through a chemical process, the process of conversion does constitute manufacturing and the two cannot constitute like articles. Moreover, change in the route/technology/process of production does not disentitle a domestic producer from the status of domestic industry, as long as it is engaged in the production and supply of the subject goods."

34. With regard to domestic industry being 100% EOU and therefore it is ineligible to be domestic industry, it is noted that EOU facility in itself does not adversely affect the status of the Petitioner as "domestic industry". In fact, it is noted that the clearances made by the Petitioner to the Domestic Tariff Area are not restricted or contingent on the exports of the Product under Consideration and are treated as excise-paid domestic sales and not as imports. Thus, based on the Information available on records of the Designated Authority, the Petitioner accounts for all the production of the subject goods in India and thus constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.

Issue of claim of confidentiality and Other claims by Domestic Industry

35. The following is the submissions of the domestic industry:

- The details of the global distribution Centre at Venlo as also the entity involved in Singapore have not been disclosed. The Exporter has clearly averred that the global distribution centre i.e "Venlo Global DC" is involved in sales of the subject goods and an entity in Singapore is also involved but the Exporter has claimed excessive confidentiality and has not provided a summary of this information. It is also pertinent to note that no questionnaire response or data has been filed by the entity in Singapore which is admittedly involved in the Exports of the Product under Consideration to India. Hence, the chain of exports to India is not complete and the data filed by the said Exporter is deficient and incomplete and does not merit individual treatment to be granted by the Hon'ble Designated Authority.
- No other exporters have responded to the questionnaire issued by the Authority. Exporters should therefore be considered non-cooperative as per Rule 6(8) and the Authority should proceed according to the best information available.
- Apart from the subject countries, subject goods are reported to have been exported to India from Singapore, Netherlands, Germany and UAE in the injury period, period of investigation and post-period of investigation, i.e. January-2012 to June-2012. The petitioner submits that the apart from India and China, only certain countries in the European Union, such as Germany have manufacturing set up of the product under consideration. Therefore the imports to India from other sources are clearly cases of transhipment because of the absence of manufacturing set up in these countries.
- There is no clarity as regards the cost of the global distribution center and other entities which are involved in the distribution or sales of the subject goods.
- The Exporter cannot selectively submit data to the Hon'ble Designated Authority, it is unknown whether all the sales of subject goods have been disclosed and the Exporter cannot be permitted to provide data for only those forms of the subject goods which has been exported to India.
- The Exporter has arbitrarily and conveniently provided information on exports to the EU only.
- The Exporter has categorized the documents as confidential without giving sufficient justification warranting confidentiality and has not given any reasonable summary for the same as per the applicable Rule 7 of the Anti-dumping Rules.

- h. The other entities in Europe or Singapore should have filed independent responses. Important data relating to the quantity of product supplied, the Product Code, Invoice number, date of Invoice, Net invoice Value, has been claimed as confidential by the Exporter.
- i. Appendix 3C requires information to be provided for All other Third Countries, the Exporter has arbitrarily and conveniently provided information on Exports to the EU only. The Exporter has not disclosed the selling price and the discounts/ commissions, the total cost, and the Price at Ex-factory level.
- j. The Exporter has not provided the data in the mandated format and therefore it ought to be rejected.
- k. The Exporter had not disputed the fact that it has plants in other countries and has not disclosed whether they have plans to produce the PUC in these Plants
- l. The Exporter has continued to evade the answer, despite the practice of transshipment through other countries such as Singapore into India which has been clearly admitted by the Exporter
- m. The Hon'ble Designated Authority must thoroughly investigate the records of the Company to ensure that all the information is adequately verified and considered by the Hon'ble Designated Authority
- n. While the Consultant has filed the Importers questionnaire on behalf of K. Sevantilal & Co., the covering page reads the submissions to be made on behalf of "DSM Nutritional Products".
- o. The non-confidential annexures are completely blank and there is not an iota of information except for the reason that "*the information if made public could be mis-used by competitors*".
- p. Post Disclosure, the domestic industry has again raised the issues concerning excessive confidentiality claimed by the DNP and the Importer. It has also been submitted that the Hon'ble Designated Authority in its calculation of the dumping margin has failed to disclose critical issues involving the dumping margin worked out for the subject countries.

Issue of claim of confidentiality and Other claims by Exporter and Importer

36. The following is the claim on confidentiality and other claims by Exporter and Importer

- a. The global center named Venlo Global DC is not engaged in the production or sales of the subject goods in India or Switzerland or any other country. It is merely a distribution center. The shareholders have been correctly indicated in the response to this question.
- b. DNP has not denied the role played by any other entity. The details of the transaction have been given in the confidential version of the response.
- c. The information has been correctly provided. The statement made is that no other company is involved in the production of the goods.
- d. The products sold in India are of the same quality as those sold in Switzerland. The information has been provided for the different types.
- e. DNP has provided information relating to its exports to the EU, as EU is a comparable market for determination of normal value. DNP further submits that the authority had considered DNP a cooperative exporter and No challenge was made to the final findings by the domestic industry and, therefore, the issue cannot be re-agitated at this stage.
- f. The invoices for domestic sales contain sensitive information such as customer name, price, etc., which if revealed would be harmful to the business interests of the company
- g. The pricing information is market sensitive in nature. The pricing is CIP that is inclusive of Carriage and Insurance, which is liable to be deducted.
- h. DNP has sold its products to multiple importers / distributors / end users. Payment terms vary from 30 days to 90 days. No duties are levied or refunded for the goods under consideration
- i. Complete details with proper basis for computation have been provided. Overseas freight and insurance constitute the largest component of the total cost incurred.
- j. The costs of production are historically consistent. The production costs are confidential in nature. The cost of materials is the largest component of the overall cost. The sales are profitable
- k. DNP submits that although there has been an accident in one of the reactors, but the same did not lead to any closures, prolonged shutdowns or curtailment of production.
- l. DNP submits that the information regarding the type of contract, duration of contract, frequency of re-negotiation, release or meet provision of the contract, standard quantity requirements, price premium etc. are all confidential in nature as the same can be mis-used by competitors if brought in public domain.
- m. The details of the exports of PUC to representative countries other than India is not in public domain, and confidential in nature. In the response, DNP has stated that the said information is provided in Appendix of confidential version. This information is not capable of summarization.

- n. The information regarding the current level of production and demand of subject goods is provided by DNP on confidential basis. The exports to India declined in period of investigation as compared to the previous year
- o. Post Disclosure, it has been submitted that there is no legal basis for continuation of investigations. In this regard, it has been cited that the antidumping duties was imposed vide Notification No. 112/2007 –Cus under Section 9A(1) , were valid for a period of a period 5 years. Section 9A(5) provides that duties can “continue to remain in force” pending the outcome of a sunset review. The use of the word, “continue” suggests that the duties must be continually in force, without any gap. In the present case, the duties, expired on 28.03.2012, and were re-imposed only on 12.04.2012. Therefore, on the date of extension/re-imposition, the original duty was not in force, hence question of continuation of the duties does not arise. The notification for extension of duties for one year, during the review period is not legally sustainable. It has also been submitted that the extended duty also expired on 12.04.2013. The proposal for further extension of the period for 5 years, in the disclosure statement is contrary to law. Further, it has been submitted that there is no legal basis for Initiation of Review. . It has also been submitted that the Authority has failed to consider the arguments raised by DNP as regards, the excessive confidentiality being claimed by the petitioner.

Examination by the Authority

37. (i) The Authority examined the confidentiality claims of the interested parties and on being satisfied with regard to claim on confidentiality, the same has been allowed in accordance with the practice of the Authority. With regard to the organisational structure of the producer and exporter, it is stated that the parent company of the *** in the Netherlands. It is a publically listed company at the Stock Exchange of Amsterdam. DSM Nutritional Products Holding Ltd is a wholly owned subsidiary of the Dutch Company. DSM Nutritional Products Ltd (DNP), is a wholly owned subsidiary of ***, M/s DSM Nutritional Products Asia Pacific (DNPAP), now merged with DSM Singapore Industrial Pte Ltd (DSI) is another subsidiary of the parent company ***. With regard to responses filed by the producer and exporter, it is noted that the responses were filed by the producer and exporter (i.e both M/s DNP , Switzerland and DSI, Singapore) and a non confidential copy of the same was put in the public file for information to all concerned. Further, a verification visit was carried out at the premises of the producer and exporter in Switzerland and a verification report was issued to the producer and exporter. The comments on the verification report have been taken into account by the Authority in this final findings. With regard to other issues, the Authority has examined the same under the appropriate headings in this findings.

(ii) On the issue of no legal basis for continuation of the investigation, it is noted that Section 9A(5) of the Customs Tariff Act as well as Rule 23(1)(B) of the Anti-dumping Rules address the operation and conducting of sunset reviews of anti-dumping duties upon the expiry of the 5 year levy. The above provisions empower the Hon'ble Designated Authority to initiate a sunset review investigation prior to expiry of duties and extend duties for up to one year while the SSR is conducted (2nd proviso to Section 9A(5)). Further, it is provided under Rule 23(2) that any review shall be conducted within a period not exceeding 12 months. Further, Rule 23(3) clearly states that the provisions of rules 6, 7, 8, 9/10, 11, 16, 17, 18, 19, and 20 shall be mutatis mutandis applicable in the case of review. In this behalf, it may be noted that the first proviso to Rule 17 clearly allows the Hon'ble Designated Authority to extend the 12 month period by another six months. Reading Rule 23(2) along with the proviso to Rule 17 clearly indicates that a similar extension may also be taken in case of a review as well. In this behalf, it is submitted that in the present review, the extension of time in order to complete the investigation is well within the provision of anti dumping rules and grant of extension of time has been duly granted by Central Government. It is therefore submitted that the present extension taken by the Hon'ble Designated Authority in order to complete the investigation is legal and within the rights granted to the DGAD under Rule 23, Rule 17 and Section 9A(5) and any Final Findings issued by the DGAD is legal and within the mandate of the letter and spirit of the law in this behalf.

CALCULATION OF DUMPING AND DUMPING MARGIN

DUMPING MARGIN

Views of Domestic Industry

38. (a) The domestic industry has submitted as under :

- i. Petitioner claims that China should be treated as non market economy for the purpose of determination of normal value. Further, there is no claim from a Chinese producer or exporter for market economy

treatment. None of the Chinese exporters have filed questionnaire response, nor claimed market economy treatment. Such being the case, question of applying para-8 of Annexure-I and considering whether the Chinese companies are entitled for market economy treatment does not arise.

ii. In the original investigations, the Authority has not granted market economy treatment to any of the responding exporter from China PR.

iii. Considerable efforts were made to get information on prices at which the subject goods are being sold by the producers in Switzerland in their domestic market in the ordinary course of trade. Efforts were also made to get evidence of price lists of the exporters/manufacturers or price evidence of their exports to other countries or any other information from any published sources. The Petitioner in this regard has been able to obtain sample invoices of domestic sales by a Producer made in the European Union.

iv. The petitioner has treated Europe as an appropriate surrogate country for China in its petition. The Authority may consider treating Europe as an appropriate surrogate country for the purpose of determination of normal value

v. Adjustments have been considered towards Ocean Freight, Marine Insurance, Handling charges at the port of origin, inland freight and Commission to arrive at the ex-factory export price.

vi. DNP, the Exporter from Switzerland is mandated to disclose all the sales of subject goods sold in different forms in the home market and not merely as they consider to be alike. Further, the company is required to provide information for exports to all other third countries, whereas the company has arbitrarily and conveniently provided information on exports to the EU only. The response filed by the Exporter DNP is deficient and incomplete and the Hon'ble Designated Authority is liable to ignore the information filed by the said Exporter and treat the Exporter as "non-co-operative". Hence, as per Rules 6(8) of the Anti-dumping Rules the Hon'ble Designated Authority apply the residual duty rate to all exports from Switzerland to all Exports including M/s DSM on the basis of the information provided by the Domestic Industry.

vii. Post disclosure, on the issue of normal value determination for China PR, it has been submitted that the Authority ought to have taken sample invoice price in the EU as the basis of determination of normal value. They have requested the Authority to disclose as to how the export price has been calculated for China PR in view of non-disclosure of information. It has further stated that DNP had filed an incomplete and deficient response and its related entities have not filed the data within time. It has been submitted that the Hon'ble Designated Authority ought to have disregarded the belated and incomplete data filed by the exporters DNP, DSI, DNPAP. It has been further submitted that the related importer of DNP in India has not submitted the information and hence the export price of DNP to India should be rejected.

Views of Exporter and Producer

38(b) It has been submitted that the application filed was not supported by any evidence warranting review. The investigations have been initiated on the basis of a petition filed by Piramal, wherein an invoice purported to have been issued by a DSM plant in Germany has been relied upon for alleging dumping.

B. CONTINUATION OF DUMPING

39. The Authority sent copies of the questionnaire to all the known exporters in the subject countries for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). No response has been received from any of the producer/exporters from China PR. From Switzerland, one response has been received from M/s DNP. Thus, for determination of Normal value and dumping margin for all producers and exporters of subject goods from China PR, the Designated Authority, therefore, has no option but to proceed on the basis of best information available on record under Rule 6(8) of AD Rules for non-cooperative exporter which provides that:-

"In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances".

NORMAL VALUE

40. Under section 9A (1) (c) normal value in relation to an article means:

(i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or

- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison. the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

The Authority notes that none of the Chinese producers has cooperated in the present investigation.

Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

- 41. The applicant has claimed that normal value should be determined on the basis of the above provisions. The Authority invited comments from all interested parties in accordance with para 7 and 8 of Annexure I.
- 42. The Authority notes that China has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the AD Rules. As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. However, none of exporters/producers of the subject goods in China have cooperated with the Authority nor provided any information and evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to consider the following criteria as to whether-
 - a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- 43. The Authority notes that since none of the Chinese exporters have submitted questionnaire responses including the market economy questionnaire responses and sought to rebut the non-market economy presumption, the Authority cannot consider and grant market economy status to Chinese producers and exporters. The Authority is therefore constrained to proceed with para-7 of Annexure-I for determination of normal value in case of China.
- 44. The Authority notes that normal value can not be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information from a producer in that country is not available to the Authority.
- 45. In view of the above and in the absence of cooperation from Chinese producers, the Authority has considered it appropriate to determine normal value on "any other basis" and has constructed normal value

in China on the basis of best estimates of cost of production. The normal value so arrived at is mentioned in the table showing dumping margin.

C. EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN FOR ALL PRODUCERS AND EXPORTERS FROM CHINA PR:

46. Under section 9 A (1) (b) export price means:

“export price”, in relation to an article, means the price of the article exported from the exporting country or territory and in cases where there is not export price or where the export price is unreliable because of association or a compensatory arrangement between the exporter and the importer or a third party, the export price may be constructed on the basis of the price at which the imported articles are first resold to an independent buyer or if the article is not resold to an independent buyer, or not resold in the condition as imported, on such reasonable basis as may be determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

47. The Authority sent questionnaires to all known exporters/producers for the purpose of determination of export price. None of the exporters/producers from subject country filed any information.

48. In view of the above, the Authority has determined export price after taking into account transaction wise DGCIS data. The adjustments to arrive at Net export price have been made as per facts available. The dumping margin in respect of exports of subject goods from China PR during the POI has been determined and is mentioned in the table showing dumping margin.

DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN FOR SWITZERLAND.

DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN FOR DSM Nutritional Products, Switzerland (DNP) (Producer) And M/S DSM Singapore Industrial Pte. Ltd. (DSI), Singapore

49. With regard to arguments of the producer and exporter M/s DNP about the fact that initiation of sunset review was not correct, it is noted that the sunset review has been initiated after the applicant provided sufficient positive information substantiating the need for a review. Thereafter, all the information submitted by the producer and exporter has been considered by the Authority for determining continuation of dumping from Switzerland. The Authority notes that M/s DNP produces the subject goods and sells the same in the domestic market as well as in the European market and Indian market. The exporter has submitted that their sales in the home market being less than *** of the total sale of the subject goods by the company are not representative sales for the purpose of Normal Value determination. It was also submitted by the exporter that more appropriate home market would be the EU, which represents around *** of sales during the POI. In this connection the Authority notes that footnote 2 of the Agreement provides that

“Sales of the like product destined for consumption in the domestic market of the exporting country shall normally be considered a sufficient quantity for determination of the normal value if such sales constitutes 5% or more of the sales of the product under consideration to the importing member, provided that a lower ratio should be acceptable where evidence demonstrate that domestic sales at such lower ratio are nonetheless of sufficient magnitude to provide for a proper comparison”

50. The Authority notes that home market sales of the like product constituted less than 5% of the sales to India. As such home market sales are considered insufficient quantities as per the Agreement are therefore, not considered for the purpose of determination of Normal value and accordingly, the Authority has not considered the same for determination of normal value in the exporting country.

51. It is noted that transaction wise exports price to third countries have not been provided by the producer and exporter from Switzerland. On the basis of the fact that other relevant information required in the questionnaire response has been submitted by the responding producer and exporter, the Authority has constructed the normal value for the responding producer and exporter based on the cost of production and adding profit margin. The normal value thus arrived at is mentioned in the dumping margin table.

Export Price and Dumping Margins

DSM Nutritional products (DNP), Switzerland and M/s DSI, Singapore

52. It is noted that M/s DNP has reported *** of export sales of the subject goods to India during the POI. The Authority notes that the products of DNP for sale to India either go from the Netherlands to Singapore before being sent on to India or have been exported directly from Netherlands. It has been submitted by the

exporter that the products concerned are handled by the DSM Nutritional Products regional office for Asia Pacific in Singapore. It is a trading organization with a warehouse and invoices and re-exports the products to India and other Asia pacific countries.

53. It was noted that the Company had exported the subject goods to India to independent customers in India. It is also noted that the bulk of the sales were to *** There were also some sales to end users, such as *** In all the cases, the purchase order was placed by the customer on DSM Nutritional Products Asia Pacific (DNPAP), now merged with DSM Singapore Industrial Pte Ltd (DSI). A sales confirmation order is then issued. The payments were made by the customers to DNPAP/DSI, and further payment was made by DNPAP/DSI to DNP. It is also noted that the product was shipped from the factory at Sisseln, Switzerland, to Venlo, Netherlands, under customs bond. At Venlo, the Company has a customs bonded warehouse. From the Bills of Lading it was noted, that the goods were indirectly shipped via Singapore or directly to India from the port at Antwerp. Out of a total of *** exports, *** exports were made directly from the warehouse at Venlo to India, whereas in respect of *** consignments, the goods were transhipped via Singapore.

54. The exporter during the investigation proceedings has provided information for adjustments towards direct selling expenses on account of Inland Freight from the Sisseln site to Venlo, Netherlands (warehouse) and associated insurance expenses; storage and handling charges; overseas freight to India and associated insurance expenses; and shipping charges. No adjustment has been claimed on packing expenses as the same is included in the cost and there is no difference between the export packing and domestic packing. Accordingly, the net export price at ex-works level works out as mentioned in the table of dumping margin.

55. On the basis of Normal value determined for Switzerland and net export price determined for DNP, dumping margin for this cooperating exporter has been assessed and is mentioned in the dumping margin table.

Other exporters from Switzerland

56. Export price for other exporters has been determined based on the lowest export price of the cooperating exporter from Switzerland as best facts available after allowing for adjustments as per exporters data. The export price so determined has been compared with the normal value determined for Switzerland. Accordingly, export price and dumping margin for all other exporters from Switzerland works out as mentioned in the dumping margin table.

Dumping Margins:

Country	Producer/ Exporter	Normal value	Net Export Price	Dumping margin	DM% range
		US\$/Kg	US\$/Kg	US\$/Kg	
Switzerland	DSM Nutritional products (DNP), Switzerland and DSM Nutritional Products Asia Pacific, a division of DSI Singapore Industrial Pte Ltd..	***	***	***	*** 20-30
Switzerland	Others	***	***	***	*** 20-30
China PR	All	***	***	***	*** 40-50

METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Views of the Domestic Industry

57. The domestic industry has submitted as under :

- i. The imports in the POI have increased as compared to 2010-11 and have continued to increase in the Post – POI causing continued injury to the Domestic Industry.
- ii. The price of the imports from the subject countries has significantly declined which has severely affected the price of the Domestic Industry
- iii. There has been significant under-cutting and under-selling suffered by the Domestic Industry due to the dumped imports from the subject countries. Further, the under-cutting and under-selling has continued even in the Post-POI.
- iv. Although the demand in the country has increased substantially, the market share of the Domestic Industry has not increased commensurate with the increase in demand, whereas the share of the subject countries has increased significantly.
- v. The information provided by the domestic industry clearly shows decline in production, sales, capacity utilization, market share and rise in inventories.
- vi. The profitability of the domestic industry has suffered throughout the injury period as well as the Post-POI. In fact, the Petitioner has changed its manufacturing process and adopted technology to produce the product more cost-effectively which facilitates to compete with the continuously dumped imports of the subject goods. Consequently, with the improvements carried out by the domestic industry, the profitability in Period of review has improved marginally as compared to the earlier years. However, the improvement is not substantial to wipe out the injurious effects caused by dumped imports.
- vii. In the absence of an anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject countries, the dumping would further intensify and the profitability of the Petitioner would be severely affected due to dumped imports.
- viii. The Petitioner has made investments which have facilitated it to enhance their capacity to produce the product under consideration in their new facility. However the continued dumped imports of the subject goods from the subject countries have affected the return on the investments/capital employed which has not adequately improved to wipe out the injury suffered by the Domestic Industry.
- ix. The difference between non injurious price and net sales realization is immaterial in sunset review investigations as has been held by the Authority in a number of cases. Anti dumping duties have been extended in various SSR cases where non injurious price was lower than net sales realization.
- x. Reason for lower production is inability of the domestic industry to sell the goods in view of cheaper material available in the market from foreign suppliers.
- xi. Post Disclosure, on the issue of injury, the domestic industry has reiterated its earlier submissions. It has been submitted that the demand for the subject product in the country has increased in the period of investigation. Though there is some decline in the demand during the Post POI from the POI period, the demand has increased also in the post POI period from the base year. However, the imports of the subject goods from the subject countries have increased at a greater rate than the increase in the sales of the domestic industry. In fact, the imports from the subject countries have grown at a greater rate than even the growth in demand. There is significant price-undercutting due to imports from the subject countries and the ranges provided in the disclosure statement are significant. Further, there is a positive price underselling margin on account of import of subject goods from subject countries which is mentioned below and the underselling margin during the POI is significant. In fact, during the injury period, there has been price depression on account of import of subject goods from subject countries. The Selling prices of the Domestic Industry have remained low, despite the reduction in cost of production on account of the changed production technology and the profitability of the Domestic Industry has not shown any significant improvement and continues to show injury. It has been submitted that on the basis of the data provided to the Hon'ble Designated Authority, it can be clearly seen that there is a positive dumping margin as well as injury margin in respect of the said imports of subject goods from China PR and Switzerland during the Post POI period and these margins are significant. It has been stated that the import of the subject goods from subject countries continued to increase in the post-POI period over the base years at significantly low prices and clearly establish that the injury to the Domestic Industry will continue in case the anti-dumping duty is revoked. In the instant case, the Hon'ble Designated Authority has concluded that the dumping and injury has continued in the POI as well as the Post-POI, the profitability of the Domestic Industry continues to be volatile and the sales and market share of the Domestic Industry have not increased. In fact, the

imports from the subject countries in the POI as well as the post POI have continued to increase. Hence, there is clearly a likelihood of continuation of dumping and injury in case of removal of the anti-dumping duty on the product under consideration. Therefore, the Hon'ble Designated Authority is liable to recommend the continuation of anti-dumping duties on imports of the subject goods from the subject countries.

xii. On the issue regarding the determination of Non injurious price, it has been submitted that in the case of Packing, Consumables, Utilities, Direct labour, Manufacturing overheads, Administrative overheads, Research and Development, Depreciation, Financial expenses the Hon'ble Designated Authority has adopted the cost as per the Application made by the Domestic Industry to the NPPA, which are presented for Financial Year 2011-12 and only the Raw material and Selling costs have been considered as per the books of the Domestic Industry. No reasoning has been provided by the Hon'ble Designated Authority in the said Disclosure Statement. With regard to ROCE, it has been submitted that the Net fixed assets have been considered as per the statement of the Domestic Industry, however, the allocation to the product under consideration has been done by the Hon'ble Designated Authority on the basis of depreciation, and not production value for Digwal and Sales Value for Mahad site. It has been submitted that the depreciation has been considered as per the depreciation reported in the NPPA application which is for the Financial year 2011-12 and not for the POI which is January 2010-December 2010. It has been submitted that the Working Capital has been calculated on the basis of the Working Capital reported in the Annual Reports, which is for the company as a whole, which is reported in Rs.Crores, whereas in the calculation provided by the Domestic Industry the same has been erroneously considered to be in terms of Rs.Lacs. The Net Working Capital, thus arrived has been allocated to the Product under Consideration on the basis of the sales value of the product under consideration as regards the total sales of the company, and not on a site-specific basis as submitted by the company. It has been submitted that the Hon'ble Designated Authority has of its own volition adopted a selective methodology and allocations, to arrive at the cost of production and capital employed for the Domestic Industry for the POI.

Views of Exporters, Importers and Other Interested Parties

58. The following is the submissions of the exporter on the issues relating to the injury and public interest.

- a. It has been submitted that the claim of the petitioner with regard to injury is not justified as the exports to India from Switzerland have fallen by about 25% in the period of investigation as compared to the previous year. They have disputed the claim of M/s Piramal that there is a 38% increase in the volume of imports from Switzerland during the Period of Investigation. It has been submitted that there is hence no adverse volume effect, from the imports.
- b. It has also been submitted that the sales of the petitioner have also increased substantially from 14,485 in 2008-09 to 20,664 in the period of investigation and the petitioner's condition has improved dramatically from a loss-making unit in 2008-09, to highly profitable one during the period of investigation.
- c. As regards the growth, it has been submitted that the petitioner has increased its production capacity from 110,000 in 2008-09 to 160,000 in POI, which itself shows that Piramal had adequate funds and resources, for making such an expansion. The growth prospects of the petitioner are not affected by the exports by DNP, especially, as DNP's market share has declined from 17% in 2008-09 to 7% in 2011 (as given in petition).
- d. With regard to Likelihood of continuation or recurrence of injury, it has been submitted that M/s DNP is selling its products for export to India at prices, which are much above, its cost of production. The proportion of sales of DNP in the Indian market is very negligible as compared to its overall sales, that is almost 0.2%. It has further been submitted that M/s DNP does not have any surplus capacities, for diversion to India. The proportion of DNP's sales in India being negligible, the possibility of continuation or recurrence of dumping and injury, is remote.
- e. It has been submitted that the entire processing is being carried out in Digwal, Andhra Pradesh which is a 100% Export Oriented Unit (EOU) and these EOUs are set up principally with an objective to promote exports. Various tax and other benefits are extended to such units so that they can compete in the International market. The claim for protection, for its sales in the Indian market is totally unjustified.
- f. It has been submitted that Vitamin -A is used as a supplement in various government programmes including pulse polio, as also for supplementing foods given under various welfare schemes. The imposition of duties enhances the market price of these products to the detriment of the public exchequer and the consumer. The imposition of duties may, therefore, be counterproductive and would only increase the trading profit of the petitioner.

g. Post disclosure, it has been submitted that the claims of the petitioner with regard to injury are also not justified. The exports to India from Switzerland have fallen by about 25% in the period of investigation, as compared to the previous year and there is hence no adverse volume effect, from the imports. As regards the profitability of Piramal, it is submitted that the petitioner's condition has improved dramatically from a loss-making unit in 2008-09, to highly profitable one during the period of investigation. This may be attributed to the fact that it is now a trader / importer not a producer. It has also been submitted that there is No Likelihood of continuation or recurrence of injury as DNP is selling its products for export to India at prices, which are much above, its cost of production. The proportion of DNP's sales in India being negligible, the possibility of continuation or recurrence of dumping and injury, is remote. It has also been submitted that the calculation of the dumping margin for the post POI period is not correct since the adjustments in the export price made are not correct. It has also been submitted that the duties in the original investigations were in Rupees and, therefore, duty if any, can only be continued as a specific duty in Rupees.

Examination by the Authority

59. The injury analysis made by the authority hereunder *ipso facto* addresses the various submissions made by the interested parties.

60. The Authority has considered import data as per DGCI&S data. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. With regard to other arguments made by the interested parties in respect to continuation or recurrence of injury in the event of revocation of anti dumping duty, the same has been dealt in the appropriate headings. With regard to comments made by various interested parties post disclosure, the same has been analysed in the succeeding paragraphs and a conclusion of the examination of injury has been given in the appropriate headings. With regard to disclosure of information and calculation of NIP of domestic industry for the subject goods, it is stated that the same has been determined strictly in accordance with Annexure III of the antidumping rules. Further, with regard to disclosure of the information relating to determination of NIP to the domestic industry, it is stated that following disclosure, Annexure IV containing detailed calculations of the NIP including its methodology has been given to the domestic industry. It is further stated that the authority has adopted the Cost Records consistently maintained by the company for determination of NIP. In this regard, the information submitted by the company to another statutory authority i.e. National Pharmaceutical Pricing Authority (NPPA) was also considered by the Authority as the petitioner company expressed its inability to furnish the requisite information for the POI in view of changes in its systems.

ASSESSMENT OF DEMAND AND MARKET SHARE

61. The designated authority has determined the demand for the subject goods as the sum of domestic sales of the domestic industry and imports of the subject goods into India from all sources. The demand so assessed is shown in the following table. It is seen that the demand for the subject product in the country has increased in the period of investigation. Though there is some decline in the demand during the Post POI from the POI period, the demand has increased also in the post POI period from the base year. While determining the demand of the subject goods, the imports from Switzerland has been taken from exporter's information which show a higher volume than given by the DGCIS data.

Assessed Demand	2008-09	2009-10	2010-11	POI - January'11 - December'11	January'12-June'12 (post POI - Actual)	January'12-June'12 (post POI - Annualised)
Domestic sales (kg)	14,483	18,917	16,289	20,563	8,183	16,366
Imports from Subject countries(kg)	21,183	20,107	20,517	34,464	12,342	24,684
China(kg)	16,650	15,113	12,204			

				28,059	6,240	12,480
Switzerland(kg)	4,533	4,994	8,313	6,405	6,102	12,204
Imports from Other countries(kg)	12,832	16,015	14,402	13,637	5,201	10,402
Total Demand(kg)	48,498	55,039	51,208	68,664	25,726	51,452

The Authority notes that the demand for the subject goods has gone up from 48,498 kg in the base year of the injury period to 68644 kg in the period of investigation.

VOLUME EFFECT OF DUMPED IMPORTS

IMPORT VOLUME

62. With regard to the volume of the dumped imports, the authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Based on the available data, the trends in the volume of imports of the subject goods from the subject countries are as under :

(Unit in Kgs)

Sl. No.		2008-09	2009-10	2010-11	POI	January 12-June'12(post POI - Actual)	January '12-June '12 (post POI- Annualised)
1	China	16,650	15,113	12,204	28,059	6,240	12,480
2	Switzerland	4,533	4,994	8,313	6,405	6,102	12,204
3	Subject countries	21,183	20,107	20,517	34,464	12,342	24,684
4	Other countries	12,832	16,015	14,402	13,637	5,201	10,402
5	Total Imports	34,015	36,122	34,919	48,101	17,543	35,086

63. The Authority notes that the import from subject countries has increased significantly during the POI as compared to the base year. The Authority further notes that there is increase in volume of imports in spite of antidumping duty in force during the period.

64. Based on the imports of subject goods and the actual sales of the domestic industry, the respective share of imports from the subject countries, the share of imports from other countries and the share of domestic industry in the total demand is summarised, as under:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	January '12-June '12 (post POI - Actual)
Domestic industry	%	30	34	32	31	32

Subject countries	%	44	37	40	49	48
China	%	34	27	24	42	24
Switzerland	%	9	9	16	7	24
Other countries	%	26	29	28	20	20
Total		100	100	100	100	100

The Authority notes from the above that share of imports from the subject countries has increased from 44% in the base year to 49% in the POI. There is no significant change in the market share of the domestic industry while the share of imports from other countries has declined during the POI over the base year.

PRICE EFFECT

65. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II(ii) of the rules lays down as follows:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the designated authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

66. In a review investigation, the Authority is required to examine whether there has been a significant price effect by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether there is likelihood of recurrence of price effect in case duty is revoked.

67. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the designated authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In order to assess the effect of imports on the domestic market, the authority analyzed import prices over the injury period. The authority determined the net sales realization of the domestic industry considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts and freight & transportation. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty and cess thereon.

68. **Price undercutting:** In order to assess whether imports from subject countries were undercutting the prices of the domestic industry, the authority has compared the net sales realization (at ex-factory level) of the domestic industry with the landed price of imports over the injury period in the table below:

Particulars	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Landed value of imports in Rs. Per Kg.				
China PR	***	***	***	***
Switzerland	***	***	***	***
Net Selling Price of Domestic Industry in Rs.per Kg.				
NSR	***	***	***	***
Price UnderCutting in Rs./KG				
China PR	***	***	***	***
Switzerland	***	***	***	***
Price Undercutting %				

China PR	***	***	***	***
Switzerland	***	***	***	***
Price Undercutting Range				
China PR	20-30%	15-25%	15-25%	20-30%
Switzerland	15-25%	15-25%	20-30%	10-20%

69. The Authority notes that the price undercutting by the imports from subject countries without the anti dumping duties is significant.

Price underselling, price depression and price suppression

70. It is noted that there is a positive price underselling margin on account of import of subject goods from subject countries which is mentioned below. The price underselling margin during the POI is considered significant. During the injury period, there has been price depression on account of import of subject goods from subject countries. With regard price suppression, no conclusion can be drawn in this case as domestic industry's cost of production and manufacturing process has undergone a significant change and the data for the POI for cost of production and NSR are strictly not comparable.

• Price Underselling	
Particulars	POI
Landed value imports in Rs. Per Kg.	
China PR	***
Switzerland	***
NIP of Domestic Industry in Rs.per Kg.	
NIP of Domestic Industry in Rs.per Kg.	***
Price underselling in Rs./KG	
China PR	***
Switzerland	***
Price under selling %	
China PR	***
Switzerland	***
China PR	15-25%
Switzerland	6-16%

ECONOMIC PARAMETERS RELATING TO THE DOMESTIC INDUSTRY

71. Annexure II to the AD rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of the dumped imports on domestic producers of the subject goods. Further Annexure II (iv) of the rules lays down as follows:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

72. In this regard, the Authority has undertaken analysis of the performance of the domestic industry during the injury period and the period of investigation. The requisite analysis on the relevant para-metres for the post period of investigation has also been undertaken by the Authority. The authority notes that the domestic industry in the injury period was manufacturing the subject goods from the basic stage. The

requisite facilities for manufacture of subject goods were located at its plant at Thane, Maharashtra. The manufacturing facilities at Thane, Maharashtra were operated by the company till ***. Subsequently, the shifted the production of subject goods to Digwal (Andhra Pradesh). While at the Thane Unit, the company was manufacturing the subject goods from the basic stage, at its new facilitates at Digwal, Vitamin A Palmitate was manufacture by the Company from an intermediate stage. Accordingly, at the new unit at Digwal, the Vitamin A Palmitate was manufactured from the stage of Vitamin A Acetate. The POI was the first year of commercial production of subject goods at the Unit at Digwal. In view of change in the process of manufacture of the subject goods during the injury period and the POI, the authority noted significant changes in the cost structure for manufacture of the subject. In view of the same, the trends on some of the injury parametres are not comparable as the same were noted by the Authority to be not on a like to like basis.

The trend analysis in respect of all the relevant parametres, as required by the Anti Dumping Rules, are detailed below:

PRODUCTION, CAPACITY AND CAPACITY UTILIZATION, COST OF SALES ETC.

73. Information on capacity, production, capacity utilization and cost of sales realisation and profitability of the domestic industry has been as under:

Sl.No.	Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
1.	Capacity for product concerned	Kg	1,10,000	1,10,000	85,000	1,20,000
2.	Total Production	Kg	35,367	39,977	37,895	75,051
3.	Capacity Utilization	%	32%	36%	45%	63%
4.	Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***
5.		Index	100	97	133	91
6.	Net Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***
7.		Indexed	100	102	98	102
8.	Profits/(Loss)	Rs.Lacs	***	***	***	***
9.		Index	(100)	(79)	(444)	(6)
10.	Interest cost	Rs lakh	***	***	***	***
11.			100	1134	48	6620
12.	Depreciation	Rs.Lacs	***	***	***	***
13.	Profit before interest	Rs. Lacs	***	***	***	***
14	Indexed		(100)	(61)	(451)	99
15.	Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***
16.			(100)	(61)	(453)	197
17	Capital Employed	Rs. Lacs	***	***	***	***
18		Indexed	100	144	79	115

3630 GI/13-7

19	Returns of capital employed %		***	***	***	***
20		Indexed	(100)	(43)	(586)	86

74. As stated in these findings, during the year 2010-11, the company manufactured the subject goods at its plant at Thane, Maharashtra. This plant was operated by the company for till ***. The changes in the cost of production the profitability and returns on capital employed have been noted by the authority to, inter alia, be on account of change in the process of manufacture of goods from the basic stage to the intermediated stage. It is noted from the above that there is an adverse impact on the domestic industry in terms of its operating performance during the injury period.

EMPLOYMENT AND WAGES

75. It is noted that the domestic industry is a multi product multi location company. There may not be direct effect of dumping on employment levels of the domestic industry. Status of employment levels of the domestic industry has been as under:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Employment (Manpower Strength)	Nos	***	***	***	***
	Index	100	71	61	24

76. The authority notes that the employment level of the domestic industry shows a negative trend during the injury period.

PRODUCTIVITY

The productivity of the domestic industry is given in the following table:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Productivity per Employee	Kg	***	***	***	***
	Index	100	183	185	585
Productivity per Day	Kg	***	***	***	***
	Index	100	113	46	212

77. The authority notes that productivity of the domestic industry has increased during POI in line with the increase in production.

INVENTORIES

78. The authority has examined the inventory level of the domestic industry, which is given in the following table:-

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Opening Stock-	Kg	***	***	***	***
Closing Stock -	Kg	***	***	***	***

Averages Stocks	Kg	***	***	***	***
	Index	100	355	322	87

79. A significant amount of variance have been noted by the authority in the holding of stocks by the Company. In anticipation of shifting of its production facilitates from Thane to Mahad, the Company had maintained sufficient stock holdings. These variances have been noted by the Authority to be on account of shifting of the production from one plant to another as well as on account of changes in the requirements of Domestic Industry for captive use.

GROWTH

80. On examination of various economic parameters of the domestic industry, the authority notes that the volume parameters such as production and sales have shown positive growth. However, market share of the domestic industry showed negative trend on overall basis. Most of the operating parameters show negative growth during the injury period.

ABILITY TO RAISE CAPITAL

81. The domestic industry is a multi product company. Their ability to raise further investment has not been considered a significant factor showing injury. However, the domestic industry contended that should the dumping from the present sources persist, ability of the domestic industry to raise capital would suffer severely.

FACTORS AFFECTING DOMESTIC PRICES

82. Change in cost structure, geographical conditions, competition in the domestic industry have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might affecting the prices in the domestic market. It is noted apart from the landed prices of subject goods from subject countries, there appears to be no external factors affecting the prices of the domestic industry during the injury period of this review investigation.

MAGNITUDE OF DUMPING

83. It is noted that there is significant dumping of subject goods during the POI from subject countries and the dumping margin determined for each of the subject countries is more than de minimis.

OTHER KNOWN FACTORS

84. During the POI, imports have been reported from subject countries of present investigation. However, imports from third countries are also significant. The CIF import prices from other countries are higher.

CONTRACTION IN DEMAND AND/OR CHANGE IN PATTERN OF CONSUMPTION

85. Overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period. It is also noted that no significant change in the pattern of consumption has come to the knowledge of the authority, nor any interested party has made any submission in this regard.

TRADE RESTRICTIVE PRACTICES OF AND COMPETITION BETWEEN THE FOREIGN AND DOMESTIC PRODUCERS

86. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. The domestic industry competes with the landed price of the subject goods. The price of the domestic industry is determined by the landed price of subject goods. Further, imports from other sources have sizable presence in the Indian market.

DEVELOPMENT OF TECHNOLOGY AND EXPORT PERFORMANCE

87. The investigation has not brought out any evidence to show that there was any significant change in technology which could have caused injury to the domestic industry.

EXPORTS BY THE DOMESTIC INDUSTRY

88. Exports of the domestic industry are quite low in volume. Further, the price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the authority for the purpose of present injury

assessment. Therefore, export performance would not have affected the injury analysis made by the Authority in this statement.

MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

89. The selling prices of the subject goods of the Petitioner are governed by the Drugs (Prices Control) Order, 1995. The National Pharmaceutical Pricing Authority (NPPA), the government organization formed under the aegis of the Ministry of Chemicals and Fertilizers Vide the order No. S.O. 124(E) dated 20th January, 2010 notified a price of Rs. 2610 per 1000 MIU for Vitamin A Palmitate. Accordingly, the notified price for Vitmain A Pamitate 1.7M MIU works out to Rs. 4437 per kg. During the course of verification, the company informed that it has since submitted an application to NPPA for revision of the prices notified by the Government. This was stated to be based on its actual cost for the year 2011-12. However, the matter was stated to be still pending with NPPA. Pending a revision of the prices of subject goods under DPCO 1995, the company was required to follow the prices as notified by the Government. The prices, as notified by the Govt. under DPCO, represents the maximum sales price which a manufacturer can charge to the consumers. In case of applicant, the actual sales realisation was noted to be below the prices, as notified by the Govt. Based on the analysis of the cost data submitted by the company, for the POI, the authority has also determined the Non Injurious Price (NIP) for the domestic industry in accordance with the provisions of the Anti Dumping Rules. This non-injurious price of Rs. *** per kg. has also been noted by the authority to be lower than the present prices, as notified by NPPA. Since, the NIP, as determined by the Authority in accordance with provision of Anti Dumping rules has been noted to be lower than the prices, as per DPCO order 1995, no injury has been noted to be caused to be company on account of the prices of subject good being under control by the Govt. The NIP, as determined by the Authority, as per Anti Dumping Rules has been compared with the landed value of imports of subject goods from the subject countries for determination of injury margin. Accordingly, the injury margin in the present case works out as follows:

Details	Units	China PR	Switzerland
NIP for Domestic Industry	Rs. in Kg	***	***
Landed value of Imports	Rs. in Kg	***	***
Price under selling	Rs. in Kg	***	***
Underselling %	%	***	***
Price underselling range		15-25	6-16

LIKELIHOOD OF RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY IN THE EVENT OF REVOCATION OF EXISTING ANTI-DUMPING DUTY

Views of Domestic Industry

90. The domestic industry has submitted as under :—

- The Domestic Industry has also been able to obtain sample invoices of domestic sales by a Producer made in the European Union in the Post-Period of Investigation period of January-2012 to June-2012. On the basis of the same, it can be clearly seen from that the dumping of the Product under Consideration from the subject countries in to India has continued even in Post-Period of Investigation. Hence, the likelihood of continuation or recurrence of dumping has been adequately established.
- There are exports during the injury period, period of investigation as well as post-period of investigation. The Petitioner has determined dumping margin in respect of these exports for period of investigation as well as post-period of investigation and has claimed that these exports were at significant dumped prices.
- In the event of cessation of anti dumping duties, the landed price of imports from China PR are likely to be substantially lower than the selling price of the domestic industry, if the current anti dumping duties are not considered.
- The Exporters in Switzerland and China PR have built huge capacities, far in excess of their domestic demand. This is established by significant exports from Switzerland and China PR, which have continued unabated even in the post-POI period.

- v. The producers/exporters in the subject countries have excessive production capacities and have continued to expand their capacities. This is clearly illustrated from the increasing imports of the subject goods from the subject countries.
- vi. In case the anti-dumping duties on the subject goods from the subject countries are discontinued, the excessive capacities held by the foreign producers/exporters in the subject countries shall be attuned towards the Indian market.
- vii. Prices at which the product under consideration is being exported by the producers/exporters in the subject countries is substantially lower than the prices of Domestic Industry. Hence, in case of the expiry of the anti-dumping duties applicable to the subject goods from the subject countries, the Indian market would consequently become a preferred market for the producers/exporters to continue to export the subject goods at the low prices.
- viii. The Domestic Industry has suffered injury on account of the imports from the subject countries, and has made large investments and switched to advanced production process and adopted technology to cater to domestic user industry in a cost-efficient manner to compete with the dumped imports from the subject countries.
- ix. Further, the expiry of the anti-dumping duty the imports of the subject goods from the subject countries shall result in flooding of the domestic market with the subject goods from the subject countries. However, in case the dumped imports from the subject countries are permitted to continue unabated, in the absence of any anti-dumping duty on the same, there is likelihood of recurrence of the injury to the Domestic Industry.
- x. There is significant price undercutting and price underselling by the import of the subject goods from the subject countries in the Post-POI period.

Views of Exporters, Importers and Other Interested Parties

91. With regard to Likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, it has been submitted that M/s DNP is selling its products for export to India at prices, which are much above, its cost of production. The proportion of sales of DNP in the Indian market is very negligible as compared to its overall sales, that is almost 0.2%. It has further been submitted that M/s DNP does not have any surplus capacities, for diversion to India. The proportion of DNP's sales in India being negligible, the possibility of continuation or recurrence of dumping and injury, is remote.

Examination by the Authority

92. The authority in a sunset review investigation, besides determining whether the subject goods are continuing to enter the Indian market at dumped prices, has to determine whether the subject goods are likely to be exported at dumped prices from the subject countries in the event of withdrawal of anti dumping duties. The Authority is further required to examine whether injury to the domestic industry is likely to continue or recur due to the dumped imports if the duty is removed or varied.

93. The Authority has examined the likelihood of recurrence of dumping and injury to the domestic industry on the basis of information and evidence presented by various interested parties during the course of the investigations. The Authority has examined the contention of various interested parties. In addition, the authority has examined the likelihood of injury and dumping by conducting an analysis of the post POI information. The Post POI data regarding imports have been taken from the information submitted by the cooperating producers and exporters from subject countries, information submitted by the domestic industry from various sources including the DGCIS data.

VOLUME OF EXPORTS POST POI

94. In order to examine the likelihood of dumping and injury to the domestic industry due to dumping of subject goods from the subject countries, the authority has undertaken an analysis of the volume of exports of subject goods to India from the subject countries in the post-POI period. The import of the subject goods from subject countries continued to increase in the post-POI period over the base years. The analysis is as under,

(Units in Kgs)

	2008-09	2009-10	2010-11	POI - January'11 - December '11	January'12-June'12 (post POI - Actual)	January'12-June'12 (post POI - Annualised)
Imports from Subject countries(kg)	21,183	20,107	20,517	34,464	12,342	24,684
China(kg)	16,650	15,113	12,204	28,059	6,240	12,480
Switzerland(kg)	4,533	4,994	8,313	6,405	6,102	12,204
Imports from Other countries(kg)	12,832	16,015	14,402	13,637	5,201	10,402

DUMPING MARGIN POST POI

95. In order to examine the likelihood of dumping and injury to the domestic industry due to dumping of subject goods from the subject countries, the authority has undertaken an analysis of the price of exports of subject goods to India from the subject countries in the post-POI period. It was noted that there is a positive dumping margin as well as injury margin in respect of the said imports of subject goods from China and Switzerland during the Post POI period and these margins are considered significant. Following the issuance of the disclosure statement, it has been submitted that data with regard to adjustments in export price are not correct. Following the comments to the disclosure statement, it is noted that the net export price and the dumping margin for Post POI has been determined from the information submitted by M/s DNP, Switzerland.

Dumping margin for post POI period

Country	Producer /Exporter	Normal value	Net Export Price	Dumping margin	DM%	DM% range
		US\$/Kg	US\$/Kg	US\$/Kg		
Switzerland	DSM Nutritional Products	***	***	***	***	20-30
Switzerland	All Others	***	***	***	***	20-30
China PR	All	***	***	***	***	10-20

PROFITABILITY OF DOMESTIC INDUSTRY

96. In order to examine the likelihood of injury to the domestic industry due to dumped imports, in the post investigation period i.e. January-2012 to June 2012, the authority has also undertaken an analysis of the cost of production, net sales realization and the profitability of the domestic industry for the POI and the Post POI period. The trends in this regard, are noted, as under:

	Unit	2010-11	POI	January'12-June'12 (post POI - Actual)	January'12-June'12 (post POI - Annualised)
Production		37895	75051	18540	37080
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***
	Index	100	68	73	73

Net Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***
	Index	100	105	103	103
Profit/(Loss) (Rs./Kg)		***	***	***	***
		(100)	(2)	(19)	(19)

97. The Authority notes that in the Post POI period, the production of the Domestic Industry has declined. However, it is noted that for *** month in the Post POI period, there was no production of the subject goods. The reasons for the same were stated by the Domestic Industry that there was no requirement of the subject goods for its captive use. However, the sales volume of the Domestic Industry has declined marginally in the Post POI period on an annualized basis. Further, while the cost of production of Domestic Industry has increased, the sales realization has declined. It is also noted that the domestic industry has incurred a loss on sale of the subject goods during the Post POI period.

LANDED VALUES OF IMPORTS, NET SALES REALIZATION AND NON INJURIOUS PRICE

98. In the post POI period, the authority has also undertaken an analysis of the landed values of imports from the subject countries, vis-à-vis, NSR and the NIP of the domestic industry. It is noted that the landed price of imports have remained significantly lower than the net selling price in respect of imports from China PR and Switzerland showing significant positive price undercutting. The price underselling margin in respect of imports from China PR and Switzerland is also significant.

Price undercutting in Post POI

Particulars	Unit	January'12-June'12 (post POI - Actual)
Net Selling Price	Rs./Kg	***
Landed Price -China PR	Rs./Kg	***
Landed Price -Switzerland	Rs./Kg	***
Price undercutting China	Rs./Kg	***
Price undercutting - Switzerland	Rs./Kg	***
China PR	%	***
Switzerland	%	***
China PR	Range	5-15%
Switzerland	Range	5-15%

Injury margin in Post POI period

Particulars	Unit	January'12-June'12 (post POI - Actual)
NIP	Rs./Kg	***
Landed Price - China PR	Rs./Kg	***
Landed Price - Switzerland	Rs./Kg	***
Price underselling China	Rs./Kg	***
Price underselling - Switzerland	Rs./Kg	***
China PR	%	***
Switzerland	%	***
China PR	Range	5 to 15%
Switzerland	Range	10 to 20%

COUNCLUSIONS ON LIKELIHOOD OF CONTINUANCE OR RECURRENCE OF INJURY TO THE DOMESTIC INDUSTRY IN THE EVENT OF REVOCATION

99. It is noted that the dumping margin of the subject goods imported from China PR and Switzerland is positive, both during the POI and the post-POI. Thus, there is a likely hood of continuation of dumping of subject goods from subject countries should the present anti dumping duties are revoked. With regard to likely hood of injury to the domestic industry on account of dumping of subject goods from subject countries, it is noted that the price effect i.e price undercutting and price underselling on account of dumped imports of subject goods from subject countries is positive and significant both during the POI and post POI period. With regard to the impact of the dumped subject goods from subject countries on the domestic industry, it is noted that the domestic industry market share remains fragile during the review POI period as well as during the post POI period while the market share of the imports from subject countries have increased during the same period. Further, the operating performance of the domestic industry continues to be dismal during the POI and the domestic industry has incurred loss during the post POI period. Further, the injury margin during the POI as well as during the post POI is significantly positive for both subject countries. Thus, it is established that injury to the domestic industry is likely to continue in the event of withdrawal of anti dumping duty from the subject countries. Further, even though the domestic industry has marginally improved its performance during the POI, the situation of domestic industry continues to be fragile especially after POI and therefore should the present anti dumping duties from the subject countries be withdrawn, injury to the domestic industry is likely to recur.

Indian Industry interest.

100. Post disclosure, it has been submitted by exporter that imposition of anti dumping duty in this case is against Public Interest. In this regard, they have cited their partnerships with the United Nation's World Food Programme, vitamin Angels and many Indian NGOs. In this regard, it is noted that the purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to reestablish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

101. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.

102. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

Final provisions

CONCLUSIONS:

103. Having regard to contentions raised, information provided and submissions made by interested parties and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury to domestic industry and likely hood of continuation of dumping and injury, the Authority concludes that

- (i) The subject goods from subject countries are entering the Indian market at dumped prices and dumping margin is significant. It is also seen that the subject goods continue to be exported to Indian at dumped prices despite the existing anti dumping duties and there is a likely hood of its continuation should the existing antidumping duties are allowed to expire.
- (ii) It is noted that without the anti dumping duties, the price undercutting and price underselling are significant from subject countries. It is also concluded that injury to the domestic industry is likely to continue in the event of withdrawal of anti dumping duty from the subject countries. Further, even though the domestic industry has marginally improved its performance during the POI, the situation of domestic industry continues to be fragile especially after POI and therefore should the present anti dumping duties from the subject countries be withdrawn, injury to the domestic industry is likely to recur.
- (iii) Thus, the anti dumping duties are required to be extended and modified.

104. The Authority considers it necessary to impose definitive anti dumping duty on all imports of subject goods from subject countries in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping, determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority recommends the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to

the domestic industry. For the purpose of determining injury margin, the landed value of imports has been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the period of investigation.

105. With regard to duty structure, keeping into account factual matrix of the case and having regard to contentions raised, information provided and submissions made by interested parties, it is deemed appropriate to recommend fixed duty structure in this case. Accordingly, the Authority considers it appropriate to recommend to the Central government for continued imposition of anti dumping duties as modified in the duty table below on subject goods originating in or exported from subject countries. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975. The Anti-Dumping duty shall be the amount mentioned in column 9 for the subject goods originating in or exported from the countries mentioned below : —

Sl. No	Sub-heading	Description of goods	Specifi- cation	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	293621	Vitamin-A Palmitate	Any	Switzerland	Any	DSM Nutritional Products, AG Switzerland	DSM Nutritional Products Asia Pacific, a division of DSM Singapore Industrial Pte Ltd.	7.34	Kg	US\$
2	-Do-	-Do-	Any	Switzerland	Any other than China PR	Any other than above	Any	8.92	KG	US\$
3	-Do-	-Do-	Any	Any other than China PR	Switzerland	Any	Any	8.92	KG	US\$
4	-Do-	-Do-	Any	China PR	Any	Any	Any	15.37	KG	US\$
5	-Do-	-Do-	Any	Any	China PR	Any	Any	15.37	KG	US\$

106. An appeal against the order of the Central Government shall lie before the Customs Excise and Service Tax Appellate tribunal, in accordance with the Act.

107. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measures, as recommended herein, from time to time, as per the relevant provisions of the Act, and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party within the time limit stipulated for this purpose.

J. S. DEEPAK, Designated Authority